Registration No. RAJBIL/2016/69093
OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

लघु उद्योग भारती

UDYOG TIMES

Volume - 7 Issue - 12 October 2024
Total Pages - 28 Price - Rs. 10

राष्ट्र को समृद्ध और बल संपन्न बनाना सबका कर्तव्य

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

उज्ज्वल भविष्य का सपना हो रहा साकार

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

आमजन की मददगार

भजनलाल सरकार

पेंशनर्स की आउटडोर चिकित्सा सुविधा में व्यय की सीमा 30 हजार रुपये से बढ़ाकर 50 हजार रुपये प्रतिवर्ष।

लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत गरीब परिवार की बालिकाओं के जन्म पर 1 लाख रुपये का सेविंग बॉण्ड।

परीक्षार्थियों को अब दो दिन पूर्व एवं दो दिन बाद तक रोडवेज की बसों (साधारण एवं द्रुतगामी) में निःशुल्क यात्रा सुविधा।

गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना में 5 लाख गोपालकों को 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण।

स्वतंत्र पत्रकारों के अधिस्वीकरण के लिए न्यूनतम आयु 50 वर्ष से घटा कर 45 वर्ष, न्यूनतम पत्रकारिता अनुभव 25 वर्ष से घटा कर 15 वर्ष।

'रिप्स-2024' में स्टैंडर्ड सर्विसेज पैकेज के तहत इन्सेंटिव्स के लिए निवेश की न्यूनतम सीमा 50 करोड़ रुपये से घटा कर 25 करोड़ रुपये, पर्यटन इकाइयों के लिए न्यूनतम सीमा अब 10 करोड़ रुपये।

एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा, युवाओं को रोजगार संभावनाओं में वृद्धि हेतु स्टैण्डर्ड मैन्युफैक्चरिंग पैकेज की तुलना में अधिक अवधि (7 वर्ष) के लिए ब्याज छूट और निवेश सब्सिडी का लाभ।

राजस्थान संवाद

विकास पथ पर गतिमान, आपणो अग्रणी राजस्थान

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

UDYOG TIMES

OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

Volume -7 **Issue - 12** **October, 2024**

Editorial Board

■ **Patron**

Shri Ghanshyam Ojha, National President	098290-22896
Shri Prakash Chandra ji, National Org. Secretary	099299-93660
Shri Om Prakash Gupta, National Gen. Secretary	095602-55055

■ **Publisher**

Om Prakash Mittal, Past President	094140-51265

■ **Editor**

Dr. Kirti Kumar Jain	094141-90383

■ **Associate Editor**

Mahendra Kumar Khurana	098290-68865

■ **Co-Editor**

Dr. Sanjay Mishra	098295-58069

विवरणिका

Editorial	03-03
देश को एकात्म, सुख-शान्तिमय, समृद्ध व ..	04-10
SBI Plans to Enhance Limit under Instant Loan	10-10
प्रदेश की वैश्विक स्तर पर बढ़ेगी साख ...	11-12
News Update	13-13
LUB's News in Brief ...	14-25

Price - 10/- ***Life Membership 1000/-***

An In-House Monthly Magazine of Laghu Udyog Bharati published by Om Prakash Mittal
Mail: opmittal10256@gmail.com Web : www.lubindia.com

Corporate Office & Head Office :
Plot No. 48, Deendayal Upadhyay Marg,
New Delhi-110002
Ph.: 011-23238582

Registered Office :
Plot No. 184, Shivaji Nagar, Nagpur-440011
Ph.: 0712-2533552

Family-owned SMEs should Balance with Modernization to Go Ahead

Editorial

Dr. Kirti Kumar Jain
kkjain383@gmail.com

In India about half of the SMEs are family-owned entities and are built on a foundation of trust, quality, and personal relationships that have spanned generations. However, with constant technological advancements and shifting consumer demands, I think these businesses more often than not face the challenge of how to preserve their rich traditions while embracing modernization.

There is no argument when I say that tradition gives our SMEs their unique identity. Many customers are drawn to family-owned SMEs because of their history, values, and personal service. It is not uncommon for people to feel a deep sense of loyalty to a small local business, often preferring them over large corporations.

However, clinging to these traditions can sometimes limit growth, especially in an era where technology is revolutionising how businesses operate. For instance, I have seen many family-owned businesses hesitant to adopt digital platforms or automation, fearing that such changes may dilute their personal touch or alienate their loyal customer base. But in reality, modernization doesn't mean abandoning tradition. It is more about finding the right balance.

By leveraging technology, SMEs can maintain their personal relationships with clients while also reaching new customers. What I also find concerning is that the younger generation, often tasked with taking over the family business, is sometimes frustrated by the resistance to change. They recognize the importance of innovation and efficiency but feel bound by the tape of tradition. This creates internal conflict, making it harder to manage the transition between generations.

In my view, the solution lies in an approach that blends the best of both worlds. Tradition can continue to be a core value, but it should not come at the expense of progress. Family-owned SMEs must adopt modern practices to remain competitive and sustainable in today's market. They should believe that they can thrive by embracing modernization as a complement, not a replacement, to their treasured traditions - that is the positive change I would definitely like to see in our family-owned SMEs.

I invite your opinion

□□□

देश को एकात्म, सुख-शान्तिमय, समृद्ध व बल संपन्न बनाना सबका कर्तव्य

प्रेरक-पाथेय

मोहनराव भागवत
पूज्य सर संघचालक
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प.पू. सरसंघचालक द्वारा विजयादशमी उत्सव के अवसर पर दिये उद्बोधन का सारांश

श्री विजयादशमी युगाब्द 5126 के पुण्यपर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने कार्य के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

पुण्य स्मरण

पिछले वर्ष इसी पर्व पर हमने महारानी दुर्गावती के तेजस्वी जीवन-यज्ञ का उनकी जन्म-जयंती के 500वें वर्ष के निमित्त स्मरण किया था। इस वर्ष पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर जी की 300वीं जन्मशती का वर्ष मनाया जा रहा है। देवी अहिल्याबाई एक कुशल राज्य प्रशासक, प्रजाहितदक्ष कर्तव्यपरायण शासक, धर्म-संस्कृति व देश की अभिमानी, शीलसंपन्नता का उत्तम आदर्श तथा रणनीति की उत्कृष्ट समझ रखने वाली राज्यकर्ता थी। अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में भी अद्भुत क्षमता का परिचय देते हुए घर को, राज्य को; स्वयं की अखिल भारतीय दृष्टि के कारण अपनी राज्य सीमा के बाहर भी, तीर्थ क्षेत्रों के जीर्णोद्धार व देवस्थानों के निर्माण द्वारा समाज के सामरस्य को तथा समाज में संस्कृति को उन्होंने जिस तरह सम्भाला, वह आज के समय में भी मातृशक्ति सहित हम सब के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। साथ ही यह भारत की मातृशक्ति के कर्तृत्व व नेतृत्व की दैदीप्यमान परंपरा का उज्ज्वल प्रतीक भी है।

आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जन्म-जयन्ती का भी यही वर्ष है। पराधीनता से मुक्त होकर काल के प्रवाह में आचार धर्म व सामाजिक रीति-रिवाजों में आयी विकृतियों को दूर कर, समाज को अपने मूल के शाश्वत मूल्यों पर खड़ा करने का प्रचंड उद्यम उन्होंने किया। भारत वर्ष के नवोत्थान की प्रेरक शक्तियों में उनका नाम प्रमुख है।

रामराज्य सदृश ऐसा वातावरण निर्माण होने के लिए प्रजा की गुणवत्ता व राष्ट्रीय चरित्र तथा स्वधर्म पर दृढ़ता होना अनिवार्य है, वैसा संस्कार व दायित्व-बोध सब में उत्पन्न करने वाला 'सत्संग' अभियान परम पूज्य श्री श्री अनुकूल चंद्र ठाकुर के द्वारा प्रवर्तित किया गया था। आज के बांग्लादेश तथा उस समय के उत्तर बंगाल के पाबना में जन्मे श्री श्री ठाकुर होम्योपैथी चिकित्सक थे तथा स्वयं की माताजी के द्वारा ही अध्यात्म साधना में दीक्षित थे। व्यक्तिगत समस्याओं को लेकर उनके सम्पर्क में आने वाले लोगों में सहज रूप से चरित्र विकास तथा सेवा भावना के विकास की प्रक्रिया ही 'सत्संग' बनी, जिसे ईस्वी सन् 1925 में धर्मार्थ संस्था के रूप में पंजीकृत किया गया। 2024 से 2025 'सत्संग' के मुख्यालय देवघर (झारखंड) में उस कर्मधारा की भी शताब्दी मनने वाली है। सेवा, संस्कार तथा विकास के अनेक उपक्रमों को लेकर यह अभियान आगे बढ़ रहा है।

आगामी 15 नवम्बर से भगवान बिरसा मुंडा की जन्म-जयंती का 150वां वर्ष प्रारंभ होगा। यह सार्धशती हमें, जनजातीय बंधुओं की गुलामी तथा शोषण से, स्वदेश पर विदेशी वर्चस्व से मुक्ति, अस्तित्व व अस्मिता की रक्षा एवं स्वधर्म रक्षा के लिए भगवान बिरसा मुंडा के द्वारा प्रवर्तित उलगुलान की प्रेरणा का स्मरण करा देगी। भगवान बिरसा मुंडा के तेजस्वी जीवन-यज्ञ के कारण ही अपने जनजातीय बंधुओं के स्वाभिमान, विकास तथा राष्ट्रीय जीवन में योगदान के लिए एक सुदृढ़ आधार मिल गया है।

व्यक्तिगत व राष्ट्रीय चरित्र

प्रामाणिकता से, निस्वार्थ भावना से देश, धर्म, संस्कृति व समाज के हित में जीवन लगा देने वाली ऐसी विभूतियों का हम इसलिए स्मरण करते हैं कि उन्होंने हम सब के हित में कार्य तो

किया है ही, अपितु अपने स्वयं के जीवन से हमारे लिए अनुकरणीय जीवन व्यवहार का उत्तम उदाहरण उपस्थित किया है। अलग-अलग कालखंडों में, अलग-अलग कार्यक्षेत्रों में कार्य करने वाले इन सबके जीवन व्यवहार की कुछ समान बातें थीं। निस्पृहता, निर्वैरता व निर्भयता उनका स्वभाव था। संघर्ष का कर्तव्य जब-जब उपस्थित हुआ, तब-तब पूर्ण शक्ति के साथ, आवश्यक कठोरता बरतते हुए उन्होंने उसे निभाया। परंतु वे कभी भी द्वेष या शत्रुता पालने वाले नहीं बने। उज्ज्वल शील संपन्नता उनके जीवन की पहचान थी। इसलिए उनकी उपस्थिति दुर्जनों के लिए धाक? व सज्जनों को आश्वस्त करने वाली थी। हम सभी से आज इसी प्रकार के जीवन व्यवहार की अपेक्षा परिस्थिति कर रही है। परिस्थिति अनुकूल हो या प्रतिकूल, व्यक्तिगत तथा राष्ट्रीय चारित्र्य की ऐसी दृढ़ता ही मांगल्य व सज्जनता की विजय के लिए शक्ति का आधार बनती है।

देश के बढ़ते कदम

आज का युग मानव जाति की द्रुतगति से भौतिक प्रगति का युग है। विज्ञान व तकनीकी के सहारे जीवन को हमने सुविधाओं से परिपूर्ण बनाया है। परन्तु दूसरी ओर हमारे अपने स्वार्थों के कलह हमें विनाश की ओर धकेल रहे हैं। मध्य पूर्व में इजरायल के साथ हमास का छिड़ा हुआ संघर्ष अब कहां तक फैलेगा, यह चिंता सबके सामने उपस्थित है। अपने देश में भी परिस्थितियों में आशा-आकांक्षाओं के साथ चुनौतियां व समस्याएं भी विद्यमान हैं। परम्परा से संघ के इस विजयादशमी भाषण में इन दोनों की यथासंभव विस्तृत चर्चा की जाती है। परन्तु आज मैं केवल कुछ चुनौतियों की चर्चा करुंगा। क्योंकि आशा-आकांक्षाओं की पूर्ति की ओर जो गति देश ने पकड़ी है, वह जारी रहेगी। यह सभी अनुभव करते हैं कि गत वर्षों में भारत एक राष्ट्र के तौर पर विश्व में सशक्त और प्रतिष्ठित हुआ है। विश्व में उसकी साख बढ़ी है। स्वाभाविक ही कई क्षेत्रों में हमारी परम्परा तथा भावना में अन्तर्निहित विचारों का सम्मान बढ़ा है। हमारी विश्वबंधुत्व की भावना, पर्यावरण के प्रति हमारी दृष्टि की स्वीकृति, योग इत्यादि को विश्व निस्संकोच स्वीकार कर रहा है। समाज में विशेषकर युवा पीढ़ी में स्व का गौरव बोध बढ़ते जा रहा है। कई? क्षेत्रों में हम धीरे-धीरे आगे बढ़ते जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर सहित सब चुनाव भी शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गए हैं। देश की युवा शक्ति, मातृशक्ति, उद्यमी, किसान, श्रमिक, जवान, प्रशासन, शासन सभी, प्रतिबद्धता पूर्वक अपने-अपने कार्य में डटे रहेंगे, यह विश्वास है। गत वर्षों में देशहित की प्रेरणा से इन सबके द्वारा किए गए पुरुषार्थ से ही विश्व पटल पर भारत की छवि, शक्ति, कीर्ति व स्थान निरन्तर उन्नत हो रहा है। परन्तु हम सबके इस कृतनिश्चय की मानो परीक्षा लेने कुछ मायावी षड्यंत्र हमारे सामने उपस्थित हुए हैं, जिन्हें ठीक से समझना आवश्यक है। अपने देश के वर्तमान परिदृश्य पर एक नजर डालते हैं तो ऐसी चुनौतियां स्पष्ट रूप से हमारे सामने दिखाई देती हैं। देश के चारों तरफ के क्षेत्रों को अशांत व अस्थिर करने के प्रयास गति पकड़ते हुए दिखाई देते हैं।

देश-विरोधी कुप्रयास

विश्व में भारत के निरंतर महत्व पाने से, जिनके निहित स्वार्थ मार खाते हैं, ऐसी शक्तियां भारत को एक मर्यादा के अंदर ही बढ़ने देना चाहेंगी। अपने आप को उदार, जनतांत्रिक तथा विश्व शांति के लिए कटिबद्ध बताने वाले देशों की यह कटिबद्धता उनकी सुरक्षा

व स्वार्थों का प्रश्न आते ही अंतर्धान हो जाती है। तब दूसरे देशों पर आक्रमण करने अथवा जनतांत्रिक पद्धति से चुनी गई सरकारों को अवैध अथवा हिंसक तरीकों से उलट देने से वे चूकते नहीं हैं। भारत के अंदर व बाहर विश्व में जो घटनाक्रम चलता है, उस पर गौर करने से यह बातें सभी समझ सकते हैं। भारत की छवि को मलिन करने का पुरस्सर प्रयास, असत्य अथवा अर्धसत्य के आधार पर चलता हुआ स्पष्ट दिखाई देता है।

अभी-अभी बांग्लादेश में जो हिंसक तख्तापलट हुआ, उसके तात्कालिक व स्थानीय कारण उस घटनाक्रम का एक पहलू है। परन्तु हिन्दू समाज पर अकारण नृशंस अत्याचारों की परंपरा को फिर से दोहराया गया। उन अत्याचारों के विरोध में वहां का हिन्दू समाज इस बार संगठित होकर स्वयं के बचाव में घर के बाहर आया, इसलिए थोड़ा बचाव हुआ। परन्तु यह अत्याचारी कट्टरपंथी स्वभाव जब तक वहां विद्यमान है, तब तक वहां के हिन्दुओं सहित सभी अल्पसंख्यक समुदायों के सिर पर खतरे की तलवार लटकी रहेगी। इसलिए उस देश से भारत में होने वाली अवैध घुसपैठ व उसके कारण उत्पन्न जनसंख्या असंतुलन देश में सामान्य जनों में भी गंभीर चिंता का विषय बना है।

देश में आपसी सद्भाव व देश की सुरक्षा पर भी इस अवैध घुसपैठ के कारण प्रश्न चिन्ह लगते हैं। उदारता, मानवता, तथा सद्भावना के पक्षधर सभी के, विशेष कर भारत सरकार तथा विश्व भर के हिन्दुओं की सहायता की बांग्लादेश में अल्पसंख्यक बने हिन्दू समाज को आवश्यकता रहेगी। असंगठित रहना व दुर्बल रहना यह दुष्टों के द्वारा अत्याचारों को निमंत्रण देना है, यह पाठ भी विश्व भर के हिन्दू समाज को ग्रहण करना चाहिए। परन्तु बात यहां रुकती नहीं। अब वहां भारत से बचने के लिए पाकिस्तान से मिलने की बात हो रही है। ऐसे विमर्श स्थापित कर कौन से देश भारत पर दबाव बनाना चाहते हैं, इसको बताने की आवश्यकता नहीं है। इसके उपाय यह शासन का विषय है। परंतु समाज के लिए सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि समाज में विद्यमान भद्रता व संस्कार को नष्ट-भ्रष्ट करने के, विविधता को अलगाव में बदलने के, समस्याओं से पीड़ित समूहों में व्यवस्था के प्रति अश्रद्धा उत्पन्न करने के तथा असंतोष को अराजकता में रूपांतरित करने के प्रयास बढ़े हैं।

'डीप स्टेट', 'वोकिज्म', 'कल्चरल मार्क्सिस्ट', ऐसे शब्द आजकल चर्चा में हैं। वास्तव में ये सभी सांस्कृतिक परम्पराओं के घोषित शत्रु हैं। सांस्कृतिक मूल्यों, परम्पराओं तथा जहां-जहां जो भी भद्र, मंगल माना जाता है, उसका समूल उच्छेद इस समूह की कार्यप्रणाली का ही अंग है। समाज मन बनाने वाले तंत्र व संस्थानों को (शिक्षा तंत्र व शिक्षा संस्थान, संवाद माध्यम, बौद्धिक संवाद आदि) को अपने प्रभाव में लाना, उनके द्वारा समाज का विचार, संस्कार, तथा आस्था को नष्ट करना, यह इस कार्यप्रणाली का प्रथम चरण होता है। एक-साथ रहने वाले समाज में किसी घटक को उसकी कोई वास्तविक या कृत्रिम रीति से उत्पन्न की गई विशिष्टता, मांग, आवश्यकता अथवा समस्या के आधार पर अलगाव के लिए प्रेरित किया जाता है। उनमें अन्यायग्रस्तता की भावना उत्पन्न की जाती है। असंतोष को हवा देकर उस घटक को शेष समाज से अलग, व्यवस्था के विरुद्ध, उग्र बनाया जाता है। समाज में टकराव की सम्भावनाओं को (fault lines) ढूंढ कर प्रत्यक्ष टकराव खड़े किए जाते हैं। व्यवस्था, कानून, शासन, प्रशासन आदि के प्रति अश्रद्धा व द्वेष को उग्र बना कर अराजकता व भय का वातावरण खड़ा किया जाता है। इससे उस देश पर अपना वर्चस्व स्थापित करना सरल हो जाता है।

बहुदलीय प्रजातांत्रिक शासन प्रणाली में सत्ता प्राप्त करने हेतु दलों की स्पर्धा चलती है। अगर समाज में विद्यमान छोटे स्वार्थ, परस्पर सद्भावना अथवा राष्ट्र की एकता व अखंडता से अधिक महत्वपूर्ण हो गए; अथवा दलों की स्पर्धा में समाज की सद्भावना व राष्ट्र का गौरव व एकात्मता गौण माने गए, तो ऐसी दलीय राजनीति में एक पक्ष की सहायता में खड़े होकर पर्यायी राजनीति के नाम पर अपनी उच्छेदक कार्यसूची को आगे बढ़ाना इनकी कार्यपद्धति है। यह कपोल-कल्पित कहानी नहीं, बल्कि दुनिया के अनेक देशों पर बीती हुई वास्तविकता है। पाश्चात्य जगत के प्रगत देशों में इस मंत्र विप्लव के परिणाम स्वरूप जीवन की स्थिरता, शांति व मांगल्य संकट में पड़ा हुआ प्रत्यक्ष दिखाई देता है। तथाकथित 'अरब स्प्रिंग' से लेकर अभी-अभी पड़ोस के बांग्लादेश में जो घटित हुआ, वहां तक इस पद्धति को काम करते हुए हमने देखा है। भारत के चारों ओर के सीमावर्ती तथा जनजातीय जनसंख्या वाले प्रदेशों में इसी प्रकार के कुप्रयासों को हम देख रहे हैं।

सांस्कृतिक एकात्मता एवं श्रेष्ठ सभ्यता की सुदृढ़ आधारशिला पर अपना राष्ट्र-जीवन खड़ा है। अपना सामाजिक जीवन उदात्त जीवन मूल्यों से प्रेरित एवं पोषित है। अपने ऐसे राष्ट्र-जीवन को क्षति पहुँचाने या नष्ट करने के कुप्रयासों को समय पूर्व ही रोकना आवश्यक है। इस हेतु जागरूक समाज को ही प्रयत्न करना पड़ेगा। इसके लिए संस्कृति-जन्य जीवन-दर्शन तथा संविधान प्रदत्त मार्ग से लोकतंत्रीय योजना बनानी चाहिए। एक सशक्त विमर्श खड़ा करते हुए, वैचारिक एवं सांस्कृतिक प्रदूषण फैलाने वाले इन षड्यंत्रों से समाज को सुरक्षित रखना समय की आवश्यकता है।

संस्कार क्षरण के दुष्परिणाम

विभिन्न तंत्रों तथा संस्थानों के द्वारा कराए गए विकृत प्रचार व कुसंस्कार भारत में, विशेषतः नयी पीढ़ी के मन- वचन-कर्मों को बहुत बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। बड़ों के साथ बच्चों के हाथों

में मोबाइल है, वहां क्या दिखा रहे हैं और बच्चे क्या देख रहे हैं, इस पर नियंत्रण नहीं के बराबर है। उस सामग्री का उल्लेख करना भी भद्रता का उल्लंघन होगा। अपने घर-परिवारों तथा समाज में विज्ञापनों तथा विकृत दृश्य-श्रव्य सामग्री पर कानून के नियंत्रण की त्वरित आवश्यकता प्रतीत होती है। युवा पीढ़ी में जंगल में आग की तरह फैलने वाली नशीले पदार्थों की आदत भी समाज को अंदर से खोखला कर रही है। अच्छाई की ओर ले जाने वाले संस्कार पुनर्जीवित करने होंगे।

संस्कार क्षय का ही यह परिणाम है कि 'मातृवत् परदारेषु' के आचरण की मान्यता वाले हमारे देश में बलात्कार जैसी घटनाओं का मातृशक्ति को कई जगह सामना करना पड़ रहा है। कोलकाता के आर.जी. कर अस्पताल में घटी घटना सारे समाज को कलंकित करने वाली लज्जाजनक घटनाओं में है। उसके निषेध तथा त्वरित व संवेदनशील कार्यवाही की मांग को लेकर चिकित्सक बंधुओं के साथ सारा समाज तो खड़ा हुआ। परन्तु ऐसा जघन्य पाप घटने पर भी, कुछ लोगों के द्वारा जिस प्रकार अपराधियों को संरक्षण देने के घृणास्पद प्रयास हुए, यह सब अपराध, राजनीति तथा अपसंस्कृति का गठबंधन हमें किस तरह बिगाड़ रहा है, यह दिखाता है।

महिलाओं की ओर देखने की हमारी दृष्टि - 'मातृवत् परदारेषु' - हमारी सांस्कृतिक देन है जो हमें हमारी संस्कार परम्परा से प्राप्त होती है। समाज जिनसे मनोरंजन के साथ ही जाने-अनजाने प्रबोधन भी प्राप्त कर रहा है, उन माध्यमों में इन मूल्यों की उपेक्षा या तिरस्कार होना बहुत महंगा पड़ रहा है। हमें परिवार, समाज तथा संवाद माध्यमों के द्वारा इन सांस्कृतिक मूल्यों के प्रबोधन की व्यवस्था को फिर से जागृत करना होगा।

शक्ति का महत्व

आज भारत में विभेदकारी तत्व सामान्य समाज को जाति, भाषा, प्रान्त आदि छोटी विशेषताओं के आधार पर अलग कर टकराव उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं। छोटे स्वार्थ व छोटी पहचानों में उलझकर सर पर मंडराते संकट को समझने की जरूरत है। इसके चलते आज देश की सीमा से लगे पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख; समुद्री सीमा पर स्थित केरल, तमिलनाडु; तथा बिहार से मणिपुर तक का सम्पूर्ण पूर्वांचल अस्वस्थ है।

देश में बिना कारण कट्टरपन को उकसाने वाली घटनाओं में भी अचानक वृद्धि हुई दिख रही है। परिस्थिति या नीतियों को लेकर मन में असंतुष्टि हो सकती है, परन्तु उसको व्यक्त करने के और उनका विरोध करने के प्रजातांत्रिक मार्ग होते हैं। उनका अवलंबन न करते हुए हिंसा पर उतर आना, समाज के एकाध विशिष्ट वर्ग पर आक्रमण करना, भय पैदा करने का प्रयास करना, यह तो गुंडागर्दी है। इसको उकसाने के योजनाबद्ध तरीके से प्रयास किये जाते हैं, ऐसे आचरण को पूज्य डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी ने अराजकता का व्याकरण ('Grammar of Anarchy') कहा है।

अभी बीत गए गणेशोत्सवों के समय श्री गणपति विसर्जन की शोभायात्राओं पर अकारण पथराव तथा उसमे बाद बनी तनावपूर्ण परिस्थिति की घटनाएं उसी व्याकरण का उदाहरण हैं। ऐसी घटनाओं को तुरंत नियंत्रित और उपद्रवियों को त्वरित दण्डित करने का काम प्रशासन का है। परन्तु उनके पहुँचने तक तो समाज को ही अपने तथा अपनों के प्राणों की व सम्पत्ति की रक्षा करनी पड़ती है। इसलिए समाज में पूर्ण सतर्क रहने तथा इन कुप्रवृत्तियों को प्रश्रय देने वालों को पहचानने की आवश्यकता है।

इस परिस्थिति का वर्णन डरने, डराने या लड़ाने के लिए नहीं है। ऐसी परिस्थिति विद्यमान है, यह हम सब अनुभव कर रहे हैं। साथ में इस देश को एकात्म, सुख शान्तिमय, समृद्ध व बल संपन्न बनाना यह सबकी इच्छा है, सबका कर्तव्य भी है। इसमें हिन्दू समाज की जिम्मेवारी अधिक है। इसलिए समाज की एक विशिष्ठ प्रकार की स्थिति, सजगता तथा एक विशिष्ट दिशा में मिलकर प्रयासों की आवश्यकता है। समाज स्वयं जगता है, अपने भाग्य को अपने पुरुषार्थ से लिखता है तब महापुरुष, संगठन, संस्थाएं, प्रशासन, शासन आदि सब सहायक होते हैं। शरीर की स्वस्थ अवस्था में क्षरण पहले आता है, बाद में रोग उसको घेरते हैं। दुर्बलों की परवाह देव भी नहीं करते, ऐसा एक सुभाषित प्रसिद्ध है।

अश्वं नैव गजं नैव, व्याघ्रं नैव च नैव च।

अजापुत्रं बलिं दद्यात, देवो दुर्बल घातकः।।

इसीलिए शताब्दी वर्ष के पूरे होने के पश्चात समाज में कुछ विषय लेकर सभी सज्जनों को सक्रिय करने का विचार संघ के स्वयंसेवक कर रहे हैं।

समरसता व सद्भावना

समाज की स्वस्थ व सबल स्थिति की पहली शर्त है सामाजिक समरसता तथा समाज के विभिन्न वर्गों में परस्पर सद्भाव। कुछ संकेतात्मक कार्यक्रम मात्र करने से यह कार्य संपन्न नहीं होता है। समाज के सभी वर्गों व स्तरों में व्यक्ति व कुटुम्बों की मित्रता होनी चाहिए। यह पहल हम सभी को व्यक्तिगत तथा पारिवारिक स्तर से करनी होगी। पर्व-प्रसंगों में भी सभी की सहभागिता होनी चाहिए। सार्वजनिक उपयोग व श्रद्धा के स्थल यथा मंदिर, पानी, श्मशान आदि में समाज के सभी वर्गों को सहभागी होने का वातावरण चाहिए। परिस्थिति के कारण समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताएं सभी वर्गों को समझ में आनी चाहिए। जैसे कुटुंब में समर्थ घटक दुर्बल घटकों के लिए अधिक प्रावधान करके कभी कभी अपना नुकसान सहन करते हैं, वैसे अपनेपन की दृष्टि रखकर ऐसी आवश्यकताओं का विचार होना चाहिए।

समाज में अनेक जाति-वर्गों का संचालन करने वाली उनकी अपनी-अपनी रचनाएँ और संस्थाएं हैं। अपने अपने जाति वर्ग की उन्नति का, सुधार का तथा उनके हित प्रबोधन का विचार इन रचनाओं के नेतृत्व के द्वारा किया जाता है। जाति-बिरादरी के नेतृत्व करने वाले लोग मिल बैठ कर और दो विषयों का विचार नित्य करेंगे तो समाज में सर्वत्र सद्भावनापूर्ण व्यवहार का वातावरण बनेगा। समाज को बांटने का कोई कुचक्र सफल हो नहीं सकेगा। पहला विषय है कि हम सब अलग अलग जाति वर्ग मिलकर देश हित की, अपने कार्यक्षेत्र के सम्पूर्ण समाज के हित की कौन-कौन सी बातें करा सकते हैं, योजना बनाकर उनको परिणाम तक ले जा सकते हैं। ऐसे ही दूसरा विषय है कि हम सब मिलकर, हममें जो दुर्बल जाति अथवा वर्ग है, उनके हित साधन के लिए क्या कर सकते हैं? नियमित क्रम से ऐसा विचार एवं कृति होती रही, तो समाज स्वस्थ भी बनेगा व सद्भाव का वातावरण भी बनेगा।

पर्यावरण

आज पर्यावरण की दु:स्थिति की विश्वव्यापी समस्या में ऋतुचक्र अनियमित व उग्र बन गया है। उपभोगवादी तथा जड़वादी अधूरे वैचारिक आधार पर चली मानव की तथाकथित विकास यात्रा मानवों सहित सम्पूर्ण सृष्टि की विनाश यात्रा लगभग बन गयी है। अपने भारतवर्ष की परम्परा से प्राप्त सम्पूर्ण, समग्र व एकात्म दृष्टि के आधार पर हमने अपने विकास-पथ को बनाना चाहिए था, परन्तु हमने ऐसा नहीं किया। ऊपरी तौर पर कुछ बातें स्वीकार हुईं हैं, कुछ बातों का परिवर्तन हुआ है। विकास के बहाने विनाश की ओर ले जाने वाले अधूरे विकास-पथ के अन्धानुसरण के परिणाम हम भी भुगत रहे हैं। गर्मी की ऋतु झुलसा देती है, वर्षा बहा कर ले जाती है और शीत ऋतु जीवन को जड़वत् जमा देती है। ऋतुओं की यह विक्षिप्त तीव्रता हम अनुभव कर रहे हैं। जंगल काटने से हरियाली नष्ट हो गयी, नदियाँ सूख गयीं, रसायनों ने हमारे अन्न, जल, वायु व धरती तक को विषाक्त कर दिया, पर्वत ढहने लगे, भूमि फटने लगी, यह सारे विकार हमने अनुभव किए। अपने वैचारिक आधार पर, इस सारे नुकसान को पूरा कर हमको समग्र व एकात्म विकास देने वाला हमारा पथ हम निर्माण करें, इसका कोई पर्याय नहीं है। सम्पूर्ण देश में इसकी समान वैचारिक भूमिका बने व देश की विविधता को ध्यान में रखते हुए क्रियान्वयन का विकेन्द्रित विचार हो, तब यह संभव है। परन्तु हम सामान्य लोग अपने घर से तीन छोटी छोटी सरल बातों का आचरण करते हुए प्रारम्भ कर सकते हैं। पहली बात है - जल का न्यूनतम आवश्यक उपयोग तथा वर्षा जल का संधारण। दूसरी बात है - single use plastic का उपयोग पूर्णत: वर्जित करना। तीसरी बात अपने घर से लेकर बाहर भी हरियाली बढ़े, वृक्ष लगें, अपने जंगलों के और परम्परा से लगाए जाने वाले वृक्ष सर्वत्र खड़े हों, इसकी चिंता करना। पर्यावरण के सम्बन्ध में नीतिगत प्रश्नों का समाधान होने के लिए समय लगेगा, परन्तु यह सहज कृति अपने घर से हम त्वरित प्रारम्भ कर सकते हैं।

संस्कार जागरण

संस्कारों के क्षरण को रोकने के लिए संस्कार प्रदान करने की व्यवस्था को पुनर्स्थापित कर समर्थ एवं सक्षम करना पड़ेगा। शिक्षा पद्धति में पेट भरने की शिक्षा देने के साथ-साथ छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर कार्य किया जाये। अपने देश के सांस्कृतिक मूल्य सारांश में बताने वाला एक सुभाषित है-

मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत्।
आत्मवत् सर्व भूतेषु य: पश्यति स: पंडित:।।

महिलाओं को माता समान देखने की दृष्टि, पराया धन मिट्टी समान मानते हुए स्वयं के परिश्रम से व सन्मार्ग से ही धनार्जन करना और दूसरों को दु:ख कष्ट हो ऐसे आचरण नहीं करना, यह जिसका व्यवहार है उसको अपने यहाँ शिक्षित मानते हैं। नई शिक्षा नीति में इस प्रकार के मूल्य शिक्षा की व्यवस्था व तदनुरूप पाठ्यक्रम का प्रयास चला है। परन्तु प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक शिक्षकों के उदाहरण छात्रों के सामने उपस्थित हुए बिना यह शिक्षा प्रभावी नहीं होगी। इसलिए शिक्षकों के प्रशिक्षण की नई व्यवस्था निर्माण करनी पड़ेगी। दूसरा स्थान है - समाज का वातावरण। समाज के जो प्रमुख लोग हैं, जिनकी लोकप्रियता के कारण अनेक लोग उनका अनुकरण करते हैं, उनके आचरण में ये सारी बातें दिखनी चाहिए। संवाद माध्यमों का (social media) उपयोग समाज को जोड़ने के लिए है, तोड़ने के लिए न हो, सुसंस्कृत करने के लिए है, अपसंस्कृति फैलाने के लिए नहीं, इस बात की सावधानी बरतनी होगी।

परन्तु शिक्षा का मूलारम्भ व उसके कारण बनने वाली स्वभाव प्रवृत्ति, 3 से 12 साल तक की आयु में घर में ही बनती है। घर के बड़ों का व्यवहार, घर का वातावरण और घर में होने वाला आत्मीयता युक्त संवाद इनसे यह शिक्षा संपन्न होती है। हममें से प्रत्येक को अपने घर की चिंता करते हुए, अगर सहज यह संवाद नहीं है तो साप्ताहिक आयोजन से, इस संवाद का प्रारम्भ करना पड़ेगा। स्व गौरव, देश प्रेम, नीतिमत्ता, श्रेयबोध, कर्तव्यबोध आदि कई गुणों का निर्माण इसी कालावधि में होता है। यह समझकर हमको इस कार्य को स्वयं के घर से प्रारम्भ करना पड़ेगा।

नागरिक अनुशासन

संस्कारों की अभिव्यक्ति का दूसरा पहलू है, हमारा सामाजिक व्यवहार। समाज में हम एक साथ रहते हैं। साथ में सुखपूर्वक रह सकें इसलिए कुछ नियम बने होते हैं। देश काल परिस्थितिनुसार

उनमें परिवर्तन भी होते रहता है। परन्तु हम सुखपूर्वक एकत्र रह सकें इसलिए उन नियमों के श्रद्धापूर्वक पालन की अनिवार्यता रहती है। एकत्र रहते हैं तो हमारे परस्परों के प्रति व्यवहार के भी कुछ कर्तव्य और उनके अनुशासन बन जाते हैं। कानून व संविधान भी ऐसा ही, एक सामाजिक अनुशासन है। समाज में सब लोग सुखपूर्वक, एकत्र रहें, उन्नति करते रहें, बिखरें नहीं, इसलिए बना हुआ अधिष्ठान व नियम है। हम भारत के लोगों ने अपने आप को इस संविधान से प्रतिबद्धता दी है। संविधान की प्रस्तावना की भावना को ध्यान में रखकर संविधान प्रदत्त कर्तव्यों का और कानून का योग्य निर्वहन सभी को करना होता है। छोटी-बड़ी सभी बातों में इस नियम व्यवस्था का पालन हमें करना चाहिए। रहदारी के नियम होते हैं, विभिन्न प्रकार के कर समय पर भरने पड़ते हैं, स्वयं के व्यक्तिगत तथा सामाजिक अर्थायाम की शुद्धता व पारदर्शिता का अनुशासन भी होता है। ऐसे अनेक प्रकार के नियमों का कर्त्तव्य बुद्धि से पूर्ण निर्वहन होना चाहिए। नियम व व्यवस्था का पालन शब्दशः व भाव ध्यान में रखते हुए, (in letter and spirit) दोनों प्रकार से करना चाहिए। यह ठीक प्रकार से हो सके, इसलिए विशेष कर अपने संविधान के चार प्रकरणों की जानकारी, यथा - संविधान की प्रस्तावना, मार्गदर्शक तत्व, नागरिक कर्तव्य व नागरिक अधिकार - का प्रबोधन सर्वत्र होते रहना चाहिए। परिवार से प्राप्त पारस्परिक व्यवहार का अनुशासन, परस्पर व्यवहार में मांगल्य, सद्भावना और भद्रता तथा सामाजिक व्यवहार में देशभक्ति व समाज के प्रति आत्मीयता के साथ कानून संविधान का निर्दोष पालन इन सबको मिलाकर व्यक्ति का व्यक्तिगत व राष्ट्रीय चारित्र्य बनता है। देश की सुरक्षा, एकात्मता, अखण्डता व विकास साधने के लिए चारित्र्य के इन दो पहलुओं का त्रुटिविहीन व सम्पूर्ण होना अत्यंत महत्वपूर्ण बात है। हम सभी को व्यक्तिगत तथा राष्ट्रीय चारित्र्य की इस साधना में सजगता व सातत्य के साथ लगे रहना पड़ेगा।

स्व-गौरव

इन सारी बातों का आचरण सतत होता रहे इसलिए जो प्रेरणा आवश्यक है, वह 'स्व गौरव' की प्रेरणा है। हम कौन हैं? हमारी परम्परा और हमारा गंतव्य क्या है? भारतवासियों के नाते हमारी सब विविधताओं के बावजूद हमें जो एक बड़ी, सर्व समावेशक, प्राचीन काल से चलती आयी हुई मानवीय पहचान मिली है, उसका स्पष्ट स्वरूप क्या है? इन सब बातों का ज्ञान होना, सबके लिए आवश्यक है। उस पहचान के उज्ज्वल गुणों को धारण करके, उसका गौरव मन और बुद्धि में स्थापित होता है, तो उसके आधार पर स्वाभिमान प्राप्त होता है। स्व-गौरव की प्रेरणा का बल ही जगत में हमारी उन्नति व स्वावलंबन का कारण बनने वाला व्यवहार उत्पन्न करता है। उसी को हम स्वदेशी का आचरण कहते हैं। राष्ट्रीय नीति में उसकी अभिव्यक्ति बहुत बड़ी मात्रा में, समाज में दैनंदिन जीवन में व्यक्तियों द्वारा होने वाले स्वदेशी व्यवहार पर निर्भर करती है। इसी को स्वदेशी का आचरण कहते हैं। जो घर में बनता है वो बाहर से नहीं लाना, देश का रोजगार चले, बढ़े इतना अपने देश में घर के बाहर से लाना। जो देश में बनता है वो बाहर से नहीं लाना। जो देश में बनता नहीं, उसके बिना काम चलाना। कोई जीवनावश्यक वस्तु है, जिसके बिना काम चलता नहीं, वही केवल विदेश से लेना। घर के अन्दर भाषा, भूषा, भजन, भवन, भ्रमण और भोजन ये अपना हो, अपनी परम्परा का हो यह ध्यान रखना, यह सारांश में स्वदेशी व्यवहार है। सब क्षेत्रों में देश के स्वावलंबी बनने से स्वदेशी व्यवहार करना सरल होता है। इसलिए स्वतंत्र देश की नीति में देश के स्वावलंबी बनने का परिणाम साध सकने वाली नीति जुड़नी चाहिए, साथ ही समाज ने प्रयत्न पूर्वक स्वदेशी व्यवहार को जीवन तथा स्वभाव का अंग बनाना चाहिए।

मन - वचन - कर्म का विवेक

राष्ट्रीय चारित्र्य के व्यवहार का एक और महत्वपूर्ण पहलू है, किसी भी प्रकार की अतिवादिता तथा अवैध पद्धति से अपने आप को दूर रखना। अपना देश विविधताओं से भरा हुआ देश है। उनको हम भेद नहीं मानते, न ही मानना चाहिए। हमारी विविधताएं सृष्टि की स्वाभाविक विशिष्टताएं है। इतने प्राचीन इतिहास वाले, विस्तीर्ण क्षेत्रफल वाले तथा विशाल जनसंख्या वाले देश में यह सभी विशिष्टताएं स्वाभाविक हैं। अपनी-अपनी विशिष्टता का गौरव तथा उनके प्रति अपनी-अपनी संवेदनशीलता भी स्वाभाविक है। इस विविधता के चलते समाज जीवन में व देश के संचालन में होने वाली सब बातें सदा सर्वदा सबके अनुकूल अथवा सबको प्रसन्न करने वाली होंगी ही, ऐसा नहीं होता। ये सारी बातें किसी एक समाज के द्वारा होती हैं, ऐसा नहीं है। इनकी प्रतिक्रिया में कानून और व्यवस्था को धत्ता बता कर अवैध या हिंसात्मक मार्ग से उपद्रव खड़े करना, समाज के किसी एक सम्पूर्ण वर्ग को उनका जिम्मेवार मानना, मन-वचन और कर्म से मर्यादा का उल्लंघन करते हुए चलना, यह देश के लिए - देश में किसी के लिए - न विहित है, न हितकारी। सहिष्णुता व सद्भावना भारत की परंपरा है। असहिष्णुता व दुर्भावना भारत विरोधी व मानव विरोधी दुर्गुण है। इसलिए क्षोभ कितना भी हो, ऐसे असंयम से बचना चाहिए तथा अपने लोगों को बचाना चाहिए। अपने मन, वाणी अथवा कृति से किसी की श्रद्धा का, श्रद्धास्पद स्थान, महापुरुष, ग्रंथ, अवतार, संत आदि का अपमान न हो, इस का ध्यान स्वयं के व्यवहार में रखना चाहिए। दुर्भाग्यवश अन्य किसी से ऐसा कुछ होने पर भी स्वयं पर नियंत्रण रखकर ही चलना चाहिए। सब बातों के परे, सब बातों के

ऊपर महत्त्व समाज की एकात्मता, सद्भाव व सद्व्यवहार का है। यह किसी भी काल में, किसी भी राष्ट्र के लिए परम सत्य है, तथा मनुष्यों के सुखी अस्तित्व तथा सहजीवन का एकमात्र उपाय है।

संहत शक्ति तथा शुद्ध शील ही शान्ति व उन्नति का आधार

आधुनिक जगत की रीति है, सत्य को सत्य के अपने मूल्य पर जगत स्वीकार नहीं करता। जगत शक्ति को स्वीकार करता है। भारत वर्ष बड़ा होने से दुनिया में अंतरराष्ट्रीय व्यवहार में सद्भावना व संतुलन उत्पन्न होकर शान्ति और बंधुता की ओर विश्व बढ़ेगा, यह विश्व में सब राष्ट्र जानते हैं। फिर भी अपने संकुचित स्वार्थ और अहंकार या द्वेष को लेकर भारत वर्ष को एक मर्यादा में बांधकर रखने की शक्तिशाली देशों की चेष्टा को हम सब अनुभव करते हैं। भारत वर्ष की शक्ति जितनी बढ़ेगी, उतनी ही भारत वर्ष की स्वीकार्यता रहेगी।

'बलहीनों को नहीं पूछता, बलवानों को विश्व पूजता'

यह आज के जगत की रीति है। इसलिए सद्भाव व संयमपूर्ण वातावरण की स्थापना के लिए सज्जनों को शक्ति संपन्न होना ही पड़ेगा। शक्ति जब शीलसंपन्न होकर आती है, तब वह शान्ति का आधार बनाती है। दुर्जन स्वार्थ के लिए एकत्र रहते हैं और सजग रहते हैं। उनका नियंत्रण सशक्त ही कर सकते हैं। सज्जन सबके प्रति सद्भाव रखते हैं, परन्तु एकत्र होना नहीं जानते। इसीलिए दुर्बल दिखाई देते हैं। उनको यह संगठित सामर्थ्य के निर्माण की कला सीखनी पड़ेगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिन्दू समाज की इसी शीलसंपन्न शक्ति साधना का नाम है। सदव्यवहार के पांच बिंदु लेकर समाज में सज्जनों को जोड़ने का विचार संघ के स्वयंसेवक कर रहे हैं। भारत विरोधियों के साथ आने वाले तथा स्वभाव से जो बैर और द्वेष में ही आनंद मानते हैं, ऐसी शक्तियों से सुरक्षित रहकर देश को आगे बढ़ना है। इसलिए शील संपन्न व्यवहार के साथ शक्ति साधना भी महत्त्वपूर्ण है। इसलिए संघ की प्रार्थना में, कोई परास्त न कर सके ऐसी शक्ति और विश्व विनम्र हो ऐसा शील भगवान से मांगा गया है। विश्व के, मानवता के कल्याण का कोई काम अनुकूल परिस्थिति में भी इन दो गुणों के बिना संपन्न नहीं होता। नौ अहोरात्रि जागरण करते हुए सभी देवताओं ने अपनी अपनी शक्तियों को एक में संगठित किया, तब उस शील संपन्न संहत शक्ति से चिन्मयी जगदम्बा जागी, दुष्टों का निर्दलन हुआ, सज्जनों का परित्राण हुआ, विश्व का कल्याण हुआ। इसी विश्व मंगल साधना में मौन पुजारी के नाते संघ लगा है। हम सबको यही साधना अपनी पवित्र मातृभूमि को परमवैभवसंपन्न बनाने की शक्ति व सफलता प्रदान करेगी। इसी साधना से विश्व के सभी राष्ट्र अपना- अपना उत्कर्ष साधकर नए, सुख- शान्ति व सद्भावना युक्त विश्व को बनाने में अपना योगदान प्रदान करेंगे। उस साधना में आप सभी सादर निमंत्रित है।

हिन्दू-भूमि का कण-कण हो अब,
शक्ति का अवतार उठे,
जल, थल से अम्बर से फिर,
हिन्दू की जय जयकार उठे
जग जननी का जयकार उठे
।। भारत माता की जय ।।

SBI Plans to Enhance Limit under Instant Loan Scheme for MSME Sector

To ensure easy and adequate credit availability to the MSME sector, the State Bank of India (SBI) is planning to enhance the threshold under the instant loan scheme from the existing Rs. 5 crore.

'MSME Sahaj: End to End Digital Invoice Financing', provides solutions ranging from applying for the loan, documentation, and disbursement of the sanctioned loan within 15 minutes, without any manual intervention.

SBI Chairman C S Setty said that the Bank has introduced a business rule with data-based assessment of the credit limits up to Rs. 5 crore. Anybody can get approval with PAN and sourcing GST data at SBI's MSME branch.

He said that Simplification of the MSME credit is something that the bank is emphasising on and making lending cash flow based backed by the CGTMSE guarantee. This reduces the need for collateral, which would enable a lot of people to come into the formal MSME borrowing system.

As far as network expansion is concerned, Shri Setty said SBI is planning to open 600 branches across the country in the current financial year. SBI has a network of 22,542 branches across the country as of March 2024. Apart from a vast branch network, SBI reaches its customers through 65,000 ATMs and 85,000 business correspondents.

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट-2024

प्रदेश की वैश्विक स्तर पर बढ़ेगी साख

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा उद्यमियों के साथ विशेष संवाद सत्र में राजस्थान के उद्योग जगत की ओर से मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान करते हुए।

राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट से प्रदेश की वैश्विक स्तर पर साख बढेगी। उन्होंने कहा कि समिट के दौरान आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित अन्य गतिविधियों में राजस्थान की लोक संस्कृति एवं लोक कला से संबंधित थीम को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जाए जिससे इस ग्लोबल समिट में भाग लेने वाले देश-विदेश के निवेशकों को भी राजस्थान की समृद्ध एवं लुभावनी लोक संस्कृति की झलक देखने को मिले।

मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इंवेस्टमेंट समिट के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की और 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाली इस समिट के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए।

प्रवासी राजस्थानियों को समिट से जोड़ने पर जोर

मुख्यमंत्री ने समिट के दूसरे दिन प्रवासी राजस्थानी कॉन्क्लेव में प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित कर राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में निवेश को लेकर किए जा रहे प्रयासों से रू-ब-रू करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने प्रदर्शनी में एक जिला-एक उत्पाद, राजीविका एवं कंट्री पार्टनर के पवेलियन लगाए जाने के संबंध में जानकारी ली।

सेक्टरल व कंट्री सेशन्स के साथ एमएसएमई कॉन्क्लेव का होगा आयोजन

मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि समिट के दौरान पर्यटन, शिक्षा, वित्त सहित विभिन्न क्षेत्रों एवं विभिन्न देशों के निवेश से संबंधित सेक्टरल एवं कंट्री सेशन्स आयोजित किए जाएंगे। इन सेशन्स में

भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पैनल वार्ता के लिए उचित समय निर्धारित करने के साथ प्रदर्शनी एवं एमएसएमई कॉन्क्लेव के आयोजन की भी समीक्षा की।

एमएसएमई कॉन्क्लेव में लघु उद्योग भारती ऑफिशियल पार्टनर नियुक्त

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और उद्योग मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का आभार व्यक्त किया।

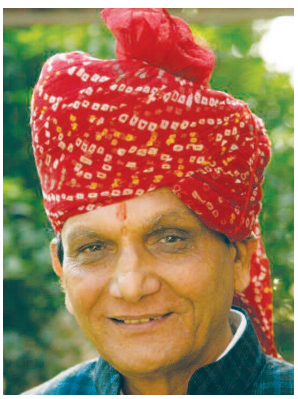

श्री ओझा ने बताया कि संगठन की सूक्ष्म और लघु उद्योगों के संरक्षण, संवर्धन और कल्याण के प्रति समर्पित सतत साधना को सरकार ने सम्मानित कर उसकी भूमिका को रेखांकित किया। इस इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत आयोजित होने वाले एमएसएमई कॉन्क्लेव में तीन दशकों में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के फलस्वरूप राजस्थान सरकार ने लघु उद्योग भारती को ऑफिशियल पार्टनर बनाया।

कॉन्क्लेव में 11 हजार से अधिक उद्यमियों ने किया रजिस्ट्रेशन

एमएसएमई कॉन्क्लेव के संयोजक और लघु उद्योग भारती के

प्रदेश संयुक्त महासचिव श्री महेंद्र मिश्रा ने बताया कि कॉन्क्लेव में भाग लेने के लिए प्रदेश के उद्यमियों में बहुत अधिक उत्साह है और अभी तक 11 हजार से अधिक उद्यमियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया है जो कि आयोजन स्थल की क्षमता से लगभग दोगुना है। उन्होंने बताया कि कॉन्क्लेव में नवीनतम सरकारी नीतियों, योजनाओं और वित्तीय सहायता पर जानकारी देने के साथ सफल उद्यमी सीधे संवाद के जरिए युवा उद्यमियों को प्रेरित करेंगे। उद्यमियों को नेटवर्किंग एवं व्यापारिक सहयोग के नए अवसर मिलेंगे जिससे वे अपने उद्योगों को नई साझेदारी और दिशा दे सकते हैं। श्री मिश्रा ने बताया कि प्रतिभागियों को जागरूक उद्यमी प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा जो उनके व्यापारिक प्रतिष्ठान की विश्वसनीयता और कौशल का प्रतीक बनेगा।

इस इन्वेस्टमेंट समिट को सफल बनाने के लिए विविध सेक्टर्स के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों के साथ मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने विशेष संवाद सत्र में भाग लिया। लघु उद्योग भारती संगठन से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, राष्ट्रीय सचिव श्री नरेश पारीक, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सीए योगेश गौतम, प्रदेश संयुक्त महासचिव श्री महेंद्र मिश्रा, उपाध्यक्ष श्री महेंद्र खुराना, श्री नटवरलाल अजमेरा तथा प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अरुण जाजोदिया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। □□□

एमएसएमई कॉन्क्लेव के लिए सेवा सदन, जयपुर स्थित प्रदेश कार्यालय में 22 अक्टूबर को प्रेस वार्ता आयोजित की गई जिसे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, राष्ट्रीय सचिव श्री नरेश पारीक, प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ और संयोजक-एमएसएमई कॉन्क्लेव श्री महेंद्र मिश्रा ने संबोधित किया। प्रेस वार्ता में एमएसएमई कॉन्क्लेव पर पोस्टर भी जारी किया गया। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सीए योगेश गौतम, प्रदेश संयुक्त महासचिव श्री सुरेश विश्नोई, जोधपुर अंचल अध्यक्ष श्री महावीर चोपड़ा, जयपुर अंचल उपाध्यक्ष श्री भरत भूतड़ा एवं एमएसएमई कॉन्क्लेव के मीडिया प्रभारी डॉ. संजय मिश्रा उपस्थित थे।

News Update

MSMEs will be Allowed to Prepay Loans without Paying for Closure Penalty- RBI

RBI said that with a view to safeguard customers' interest through better transparency and customer centricity by lenders, it has been decided to broaden the scope of such regulations to cover loans to Micro and Small Enterprises (MSEs) extended by the Regulated Entities of the Reserve Bank. A draft circular in this regard shall be issued for public consultation. Many small enterprises have complained about the charges which have become a tool to extract higher interest rates. □□□

Banks Can't Classify MSMEs Loan Accounts as NPAs without Following the Procedure: Supreme Court

In an important ruling concerning the revival of the entities registered under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006 (MSMED Act), the Supreme Court observed that the Banks are not empowered to classify the loan accounts of the MSMEs, as Non-Performing Assets (NPA), without following the mandatory procedure laid down in the Instructions for Framework for Revival. □□□

India, UAE to set up Food Corridor with $2 Billion Initial Funding

India and UAE are agreed to set up a Food Corridor with $2 Billion Initial Funding. This initiative aims to strengthen the UAE's food security while benefiting Indian farmers, said union minister of Commerce & Industry Shri Piyush Goyal at the 12th High-Level Task Force on Investments (HLTFI) in Mumbai. The project is part of a broader investment strategy targeting $100 billion across key sectors, including infrastructure, manufacturing, and logistics.

Shri Goyal announced that the UAE will provide a location free of cost for the Invest India office in Dubai, which will focus on promoting investment, trade, and technology. In return, India will offer space for the UAE's counterpart office in New Delhi. □□□

Hindustan Zinc, IIT Madras to jointly Develop Advanced Zinc-Air Battery Technology

The research team from IIT Madras, led by Shri Aravind Kumar Chandiran, Head of Hyundai Hydrogen Innovation Hub, has developed a prototype rechargeable zinc-air battery and holds three Indian patents for innovations in leak resistance, anode recharging and anode replacement design.

Zinc-air batteries are emerging as a viable alternative, known for their long-duration storage capabilities, durability and potential to be a more affordable alternative to lithium-ion batteries. Compared to lithium, which is over four times more expensive, zinc offers a more affordable solution with superior performance attributes. □□□

IIT-Indore Develops Device for Affordable Detection of Cancer at Early Stages

The device is set to significantly reduce the cost of diagnosis to roughly one-tenth of the price of conventional diagnostic methods and could be easily portable to conduct cancer screenings in rural and remote areas with limited medical infrastructure. The device developed by Prof. Srivathsan Vasudevan from IIT-I electrical engineering department in collaboration with Dr. Sramana Mukhopadhyay, lead investigator from AIIMS Bhopal department of pathology and lab medicine. Dr. Saikat Das, faculty of the department of radiation oncology, will be deployed at AIIMS Bhopal for clinical trials. □□□

LUB's News in Brief

साउथ बंगाल इकाई की सांगठनिक बैठक

लघु उद्योग भारती के पूर्व अखिल भारतीय अध्यक्ष एवं पूर्वोत्तर प्रभारी श्री ओमप्रकाश मित्तल ने कोलकाता प्रवास पर 28 अक्टूबर को साउथ बंगाल की सांगठनिक बैठक को संबोधित किया। श्री मित्तल ने संगठन की कार्य प्रणाली और मेंबर्स की संख्या बढ़ाने के लिए चर्चा की. उन्होंने हर जिले का रोड मैप तैयार करने पर बल दिया। बैठक में अखिल भारतीय कार्यकारणी सदस्य श्री सरोज साहु ने संगठन के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। □□□

पश्चिम बंगाल ग्राम शिल्पी प्रकोष्ठ ने मिट्टी-गोबर से बनाये स्वदेशी गिफ्ट पैक

पश्चिम बंगाल में घर-घर दीया प्रकल्प की सफलता के उपलक्ष्य पर 5 अक्टूबर को %ग्राम-शिल्पी% आयाम एवम 'आयात-निर्यात' आयाम की ओर से दक्षिण 24 परगना जिला के बरूईपुर, घोला में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में गृह उद्योग को लघु उद्योग में परिवर्तित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में दक्षिण बंग के अध्यक्ष श्री देवीप्रसाद मुखर्जी और महामंत्री श्री विजय अग्रवाल ने अपने विचार रखे। ग्राम शिल्पी आयाम पश्चिम बंगाल प्रमुख श्री अमिताभ शर्मा ने दुर्गा पूजा, दशहरा एवम दीपावली पर मिट्टी और गोबर से निर्मित स्वदेशी गिफ्ट पैक तैयार किया जिसका अनावरण श्री रमेश शोवासरिया ने किया। श्री बटेश्वर झा ने गृह उद्योग को कैसे विश्व उद्योग में बदला जा सकता है, इस पर अपने विचार रखे। श्री सरोज साहू अखिल भारतीय कार्यकारणी सदस्य ने ग्रामवासियों द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। श्री बप्पा हालदार कैनिग निवासी को दक्षिण 24 परगना जिले का ग्राम शिल्पी प्रमुख मनोनीत किया गया। □□□

दिल्ली प्रदेश इकाई की बैठक में जीएसटी विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल

एलयूबी दिल्ली प्रदेश इकाई की मासिक बैठक में स्थानीय उद्यमियों ने अपने व्यवसाय पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभाव पर गहरी चिंता व्यक्त की। उद्यमियों ने कहा कि दिल्ली में बिजली की दरें देश में सर्वाधिक हैं, जिससे हर माह उनके बिजली बिलों में हजारों रुपये के मनमाने चार्ज जुड़ जाते हैं। इसका सीधा असर उनकी व्यापारिक प्रतिस्पर्धा पर पड़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप कई उद्योग या तो बंद हो रहे हैं या दिल्ली से अन्य राज्यों में पलायन कर रहे हैं। बैठक में उद्यमियों ने जीएसटी अधिकारियों की मनमानी पर भी रोष प्रकट किया। उन्होंने बताया कि वर्षों पुराने इनपुट क्रेडिट को अचानक अस्वीकार कर दिया जाता है, जिससे छोटे उद्यमियों को अनावश्यक उत्पीड़न झेलना पड़ता है। उद्यमियों ने सरकार के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के दावों पर भी प्रश्नचिन्ह लगाया और जीएसटी विभाग में हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार की ओर ध्यान आकर्षित किया। बैठक में जीएसटी रिफंड प्रक्रिया को आयकर रिफंड की तरह सरल बनाने पर जोर दिया। □□□

श्री नरेश पारीक ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम की 194वीं बैठक में की सहभागिता

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) की 194वीं बैठक केंद्रीय मंत्री श्री मनसुख मंडावीया व केंद्रीय राज्य मंत्री श्री शोभा करंदलाजे की उपस्थिति में पंचदीप भवन, नई दिल्ली में 8 अक्टूबर को आयोजित की गई. बैठक में लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय सचिव श्री नरेश पारीक ने भी भाग लिया। इस बैठक में श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने और राष्ट्रीय स्वास्थ्य पहलों पर चर्चा की गई। बैठक में बहुत ही सकारात्मक निर्णय लिये गए जिससे आने वाले दिनों में ESIC से जुड़े कर्मचारी व श्रमिकों को बहुत लाभ मिलेगा। □□□

रतलाम में स्मॉल फूड ऑपरेटर ट्रेनिंग की आयोजित

एलयूबी मध्यप्रदेश की रतलाम इकाई ने नमकीन क्लस्टर में भारत सरकार के उपक्रम फूड सेक्टर स्किल काउंसलिंग एवं फास्ट्रेक के सहयोग से स्मॉल फूड ऑपरेटर ट्रेनिंग आयोजित की। प्रशिक्षण सत्र मुख्य प्रोजेक्ट अधिकारी दिल्ली फूड सेक्टर स्किल काउंसिल श्री अक्षय कामरे ने लिया। इस अवसर पर खाद्य निरीक्षक श्री कमलेश झामरा, लघु उद्योग भारती फूड इंडस्ट्रियल पार्क के अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र मारू, सचिव श्री मनेंद्र कृष्णानी समेत संगठन के पदाधिकारी एवं उद्योगपति व श्रमिक भी उपस्थित रहे। □□□

महाकौशल अंचल में उद्यमी सम्मेलन आयोजित

एलयूबी मध्यप्रदेश के महाकौशल अंचल स्थित छिंदवाड़ा जिले में अंचल की बैठक एवं उद्यमी सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजन में अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी एवं अखिल भारतीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी श्री ताराचंद गोयल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में 24 जिलों से 100 से अधिक

उद्योगों की उपस्थिति रही।

म.प्र. फेसिलिटेशन काउंसिल में श्री राजेश मिश्रा एवं श्री महेश गुप्ता पुनः मनोनीत

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव एवं एमएसएमई मंत्री श्री चैतन्य कश्यप की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश मिश्रा एवं निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष श्री महेश गुप्ता को पुनः आगामी 2 वर्षों के लिए फेसिलिटेशन काउंसिल के अशासकीय सदस्य के रूप में नियुक्ति प्रदान की गई है. गौरतलब है कि इन दोनों पदाधिकारियों ने अपने विशेष प्रयासों से बीते कार्यकाल में 950 से अधिक मामलों का निस्तारण किया और उसके फलस्वरूप करीब 300 करोड़ रूपए की अटकी हुई धनराशि एमएसएमई यूनिट्स का संचालन करने वाले उद्यमियों के खातों में आई। इस नियुक्ति से निश्चित रूप से प्रदेश के समस्त उद्यमियों को इन दोनों पदाधिकारियों के दीर्घ अनुभवों का लाभ प्राप्त होगा एवं काउंसिल में प्रकरणों का निपटारा और शीघ्र गति से हो सकेगा। संगठन की ओर से इस नवीन उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई और शासन का आभार।

मध्यप्रदेश की मुरैना इकाई ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम किया आयोजित

एलयूबी मध्यप्रदेश की मुरैना महिला इकाई ने एमएसएमई मंत्रालय तथा राष्ट्रीय हैंडलूम व हैंडीक्राफ्ट के संयुक्त तत्वावधान में 6 सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया। महिलाओं को घरेलू उद्योग प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को महिला इकाई की कोषाध्यक्ष श्रीमती सुनीता बॉदिल, श्रीमती नीरू गुप्ता, श्रीमती कामिनी गुप्ता और श्रीमती वंदना भदौरिया ने जूट से निर्मित भगवान की पोशाक और बालिकाओं के लिए फ्रॉक बनाने का प्रशिक्षण दिया।

सुसनेर इकाई में महिलाओं को घरेलू उद्योग शुरू करने के लिए किया प्रेरित

मध्यप्रदेश की सुसनेर इकाई ने एमएसएमई मिनिस्ट्री और राष्ट्रीय हैंडलूम व हैंडीक्राफ्ट के संयुक्त तत्वाधान में 6 सप्ताह का उद्यमिता विकास का कार्यक्रम दुर्गा श्री क्रिएशन द्वारा किया गया जिसमें ग्राम शिल्पी प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक श्री राजेश जागीरदार ने सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर एलयूबी राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री समीर मूंदड़ा ने महिलाओं को घरेलू उद्योग प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में ग्राम शिल्पी प्रकोष्ठ की सदस्य, देवास महिला इकाई संयुक्त सचिव श्रीमती राधिका मूंदड़ा व सुसनेर महिला इकाई उपाध्यक्ष श्रीमती सायली देशमुख ने महिलाओं को हस्त कला का प्रशिक्षण दिय। इससे पूर्व उन्होंने दुर्गा श्री क्रियेशन के तत्वावधान में 50 महिलाओं का उद्यम पंजीयन भी करवाया।

पीथमपुर इकाई ने किया फायर सेफ्टी सेमिनार

एलयूबी मध्यप्रदेश की पीथमपुर इकाई ने श्री जीएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, इंदौर में 1 अक्टूबर को फायर सेफ्टी सेमिनार आयोजित किया। इस सेमिनार में विख्यात श्री अश्विनी शर्मा ने स्टूडेंट्स को फायर सेफ्टी पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए।

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में किया सघन प्रवास

स्वावलंबी भारत अभियान और स्वदेशी जागरण मंच के विषयों के लिए छत्तीसगढ़ में उत्तर, मध्य और दक्षिण बस्तर तीनों विभागों को मिलाकर 11 सरकारी जिलों में प्रवास किया गया। जगदलपुर जिले के बकावंड विकास खंड के सोदपुर गांव और बस्तर विकास खंड के आसना गांव में ग्रामीणों के साथ बैठक हुई तथा वहां के वन धन केंद्र का संचालन करने वाली टीम के साथ संवाद किया। जगदलपुर के एग्रीकल्चर कॉलेज में नारियल एवं कॉफी प्रोसेसिंग प्रसंस्करण के साथ पेड़ से नारियल तोड़ने वाली मशीन का भी अवलोकन किया। यहां उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। बस्तर जिले की

स्वावलंबी भारत अभियान की टोली के साथ बैठक संपन्न हुई। दंतेवाड़ा, गीदम और बीजापुर जिले में स्वावलंबी भारत अभियान के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की गई। कोंडागांव जिले में उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन किया गया। इस चार दिवसीय प्रवास में क्षेत्रीय संगठक श्री केशव दुबोलिया, प्रांत सह समन्वयक श्री संजय चौबे एवं श्री मोरध्वज पैकरा ने 22 बैठकों और कार्यक्रमों में भाग लिया। □□□

आगर इकाई में मासिक बैठक संपन्न

एलयूबी उत्तर प्रदेश की आगरा इकाई ने 2 अक्टूबर को मासिक बैठक का आयोजन किया। बैठक में भिलाई के क्षेत्रीय सम्मेलन, सदस्यता, उद्यमी बंधुओं के पारिवारिक मिलन पर चर्चा की गई. इसके साथ ही सिडबी व एमएसएमई की कार्यशाला आयोजित करना निश्चित किया गया. □□□

कटनी महिला इकाई की बैठक संपन्न

एलयूबी मध्यप्रदेश की कटनी महिला इकाई ने दीपावली पर कमजोर आर्थिक वर्ग की महिलाओं के बनाये दीयों की बिक्री के लिए स्टॉल लगाया। इसी तरह देवास नाकाव भामोरी इकाई की मासिक बैठक 3 अक्टूबर को आयोजित की गई। बैठक में संगठन एवं सदस्य संख्या पर चर्चा हुई और सड़क से संबंधित समस्याओं पर इंदौर महापौर को ज्ञापन देना निश्चित किया। □□□

छावनी सियागंज की मासिक बैठक संपन्न

एलयूबी मध्यप्रदेश की छावनी सियागंज इकाई की मासिक बैठक 8 अक्टूबर को आयोजित की गई। बैठक में सदस्यता एवं मसाला क्लस्टर के लिए सरकार से जमीन की मांग हेतु विचार-विमर्श किया गया। □□□

वाराणसी में निर्यात सम्मेलन का किया आयोजन

एलयूबी उत्तर प्रदेश की वाराणसी इकाई ने निर्यात सम्मेलन का आयोजन किया। इस अवसर पर महानिदेशक विदेश व्यापार, भारत सरकार श्री संतोष सारंगी ने निर्यात व्यापार की सभी समस्याओं को शीघ्र दूर करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में जॉइंट डीजीएफटी श्री आएके सोनी, डायरेक्टर जनरल फियो श्री अजय सहाय, अध्यक्ष फियो श्री अश्वनी कुमार, उत्तर प्रदेश एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के निदेशक श्री पवन अग्रवाल उपस्थित थे। इससे पूर्व काशी प्रांत अध्यक्ष श्री राजेश कुमार सिंह ने अतिथियों का अभिनंदन किया एवं उद्यमियों को निर्यात में आ रही परेशानियों से अवगत करवाया। □□□

काशी प्रांत शिष्टमंडल ने केंद्रीय एमएसएमई मंत्री से की उद्योग हित में चर्चा

एलयूबी उत्तर प्रदेश के काशी प्रांत शिष्टमंडल ने प्रान्त अध्यक्ष श्री राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री जीतन राम मांझी से गया, बिहार स्थित आवास पर भेंट कर उद्यमियों के हित में एमएसएमई की योजनाओं को प्राथमिकता से लागू कराने का अनुरोध किया। साथ ही संगठन के प्रयास से वाराणसी में मिली 20 एकड़ जमीन पर टूल रूम निर्माण की चर्चा की। इस अवसर पर वाराणसी में आयोजित उद्यमी सम्मेलन में भाग लेने हेतु निमंत्रण-पत्र भी सौंपा। इस अवसर पर श्री ज्योति शंकर मिश्रा, श्री मनीष चौबे, श्री विवेक सिंह सहित उद्यमी गण उपस्थित थे । □□□

मोदीनगर में एमएसएमई लीन स्कीम जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

एलयूबी उत्तर प्रदेश में जिला उद्योग केंद्र, गाजियाबाद में 7 से 10 अक्टूबर को सी.पी.एस. इंटरनेशनल, मोदीनगर में लीन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उद्यमी और व्यापारियों को सरकार की नीतियों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के असिस्टेंट डायरेक्टर IEDS श्री सुनील कुमार, असिस्टेंट डायरेक्टर, काउंसिल ऑफ इंडिया श्री अंकुर मलिक, श्री सागर, श्री साकेत, IPEC-TBI की सीईओ प्रो. प्रियंका गुप्ता, इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ग्रेटर नोएडा के महासचिव श्री संजीव शर्मा, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन मोदीनगर चैप्टर के चेयरमैन श्री राज ढींगरा, पूर्व चेयरमैन श्री मुकेश गर्ग, CPS इंटरनेशनल के प्रिंसिपल डॉ. अरुण त्यागी, और मोदीनगर की विधायक डॉ. मंजू शिवाच, एलयूबी मेरठ संभाग अध्यक्ष श्री राजकुमार शर्मा, मेरठ मंडल उपाध्यक्ष श्री अमित अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष श्री पंकज जैन, उपाध्यक्ष जिला गाजियाबाद श्री उपेन्द्र गोयल और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। □□□

लखनऊ में सीएसआईआर के सहयोग से महिलाओं को धूपबत्ती बनाने में किया प्रशिक्षित

एलयूबी उत्तर प्रदेश की लखनऊ महिला इकाई ने मुरली सेवा संस्थान की 35 महिलाओं को सीएसआईआर के सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स के सहयोग से मंदिर में चढ़ाये गए फूलों से अगरबत्ती और धूपबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दिलवाया। महिला

इकाई की सदस्य श्रीमती पद्मिनी ने बताया कि महिलाएं प्रशिक्षण लेने के बाद इस कार्य में निपुण हो गई हैं और उन्होंने दिवाली के अवसर पर अपने उत्पादों की जगह-जगह स्टॉल लगाई। अवध प्रांत अध्यक्ष श्रीमती रीता मित्तल ने जानकारी दी कि 8 स्थानों पर महिलाओं के विविध उत्पादों की प्रदर्शनी आयोजित की जा चुकी है। □□□

बालोतरा के भारती भवन का हुआ भव्य उदघाटन

लघु उद्योग भारती, राजस्थान की बालोतरा इकाई के भारती भवन का विधिवत उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मा. डॉ. कृष्ण गोपाल जी के कर कमलों द्वारा हुआ। उल्लेखनीय है कि संपूर्ण देश में इकाई स्तर पर बनने वाला ये प्रथम भवन है। कार्यक्रम से पूर्व हवन में वरिष्ठ उद्यमी श्री भंवरलाल टावरी, श्री रूपचंद बाघमार, श्री मूलचंद महाजन, श्रीमती प्रभा सिंघवी समेत वरिष्ठजनों ने आहुतियां दी। बालोतरा इकाई अध्यक्ष श्री प्रवीण महाजन ने बताया कि कार्यक्रम में अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री कैलाश चौधरी, पचपदरा विधायक श्री अरुण चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड, जोधपुर अंचल अध्यक्ष श्री महावीर चोपड़ा, जिला कलेक्टर श्री सुशील कुमार यादव, भवन निर्माण समिति संयोजक श्री पटौदी नरेश, सीईटीपी अध्यक्ष श्री रूपचंद सालेचा, प्रशासनिक अधिकारियों समेत उद्यमियों ने लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य पट्ट अनावरण के बाद भवन का अवलोकन किया। कार्यक्रम में मा. डॉ. कृष्णगोपाल जी ने यहां स्किल सेंटर विकसित कर प्रतिवर्ष 1000 बहनों और 5000 पुरुषों को स्वरोजगार प्रशिक्षण तथा उद्योग से संबंधित प्रशिक्षण देकर स्थानीय क्षेत्र में ही रोजगार देने का लक्ष्य दिया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की तरह यहां गारमेंट उत्पादन और निर्यात की तैयारी करनी चाहिए जिससे स्थानीय युवाओं को सुदूर कामकाज के लिए जाने की जरूरत नहीं रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री कैलाश चौधरी ने रिफाइनरी और पेट्रोकेम से जुड़े उत्पादों से संबंधित उद्योग लगाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने लघु उद्योग भारती की कार्यप्रणाली और संगठन के बारे में जानकारी दी तथा संस्था द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर उद्यमियों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। □□□

भिवाड़ी द्वितीय इकाई की बैठक आयोजित

एलयूबी राजस्थान की भिवाड़ी द्वितीय इकाई की 9 अक्टूबर को आयोजित बैठक में जयपुर अंचल के संयुक्त महासचिव श्री संदीप गुप्ता, अलवर इकाई महासचिव श्री शशांक और श्री एल. एन. गुप्ता की उपस्थिति रही। बैठक में श्री के. आर. मनोज को भिवाड़ी द्वितीय इकाई का संयोजक और श्री अजीत यादव को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। श्री आर.एस. यादव, श्री आर.सी. वर्मा, श्री संदीप अग्निहोत्री, श्रीमती अनन्या जैन, श्री सुधीर जैन, श्री नितिन जैन, श्री अशुतोष मित्तल, श्री संजय गोयल और श्री अनूप गोपीनाथ भी इस अवसर पर मौजूद रहे। □□□

जोधपुर प्रांत की बैठक में इकाइयों ने प्रस्तुत किए प्रतिवेदन

एलयूबी राजस्थान के जोधपुर प्रांत की बैठक आयोजित की गई। महानगर इकाई का वृत्त उपाध्यक्ष श्री एच.के. गर्ग ने रखते हुए इन्वेस्टमेंट समिट की जानकारी साझा की। बोरानाडा इकाई का वृत्त सचिव श्री थानाराम ने प्रस्तुत करते हुए इकाई की मासिक बैठक में लिये गये निर्णयों की जानकारी दी। मंडोर इकाई का वृत उपाध्यक्ष श्री घनश्याम खत्री ने रखा। सांगरिया इकाई अध्यक्ष श्री रवि गुप्ता ने इकाई का वृत्त रखते हुए रीको औद्योगिक क्षेत्र में स्वच्छता अभियान के विषय में जानकारी दी। महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती मोना हरवानी ने इकाई का वृत्त रखते हुए संगठनात्मक जानकारी देते हुए दीपावली स्नेह मिलन के आयोजन के बारे मे बताया। प्रान्त सचिव श्रीमती मीनू दूगड़ ने आभार प्रदर्शित दिया। संचालन जोधपुर प्रान्त सचिव श्री पंकज लोढा ने किया। □□□

जयपुर में कौशल विकास केंद्र के लोकार्पण और एमएसएमई कॉन्क्लेव की तैयारी बैठक आयोजित

लघु उद्योग भारती द्वारा जयपुर में नवनिर्मित कौशल विकास केंद्र का लोकार्पण 11 दिसंबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मा. श्री कृष्ण गोपाल जी करेंगे। इसी दिन राजस्थान सरकार के राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत एमएसएमई कॉन्क्लेव भी आयोजित होगा जिसमें लघु उद्योग भारती ऑफिसियल पार्टनर है। दोनों महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक संचालन के लिए आयोजित विशेष बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी ने संगठन के लिए इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा और प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ ने तीनों अंचलों के पदाधिकारियों से विस्तृत मंत्रणा की। प्रदेश उपाध्यक्ष श्री महेंद्र खुराना ने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तथा श्री नटवरलाल अजमेरा ने कौशल विकास केंद्र के निर्माण के संबंध में जानकारी साझा की। □□□

बीकानेर में स्वरोजगार के लिए सिलाई प्रशिक्षण

एलयूबी राजस्थान की बीकानेर इकाई, भारत विकास परिषद मीरा शाखा और जन शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'अपना हुनर-अपना रोजगार' कार्यक्रम के तहत सिलाई का प्रशिक्षण अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में शुरू किया गया जो 15 जनवरी, 2025 तक चलेगा। लघु उद्योग भारती के संरक्षक श्री सुभाष मित्तल, प्रांत उपाध्यक्ष श्री बालकिशन परिहार, उपाध्यक्ष श्री राजेश गोयल, महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती राखी चोरड़िया, उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना चोपड़ा, श्रीमती उर्मिला सुराणा, सह सचिव श्रीमती मधु बोथरा, श्रीमती मधु बाँढिया, सदस्य श्रीमती मनीषा आचार्य, श्रीमती अनुराधा सुराणा, श्रीमती दीप्ति झाबक, श्रीमती संध्या नाहटा और श्रीमती संध्या सेठिया ने प्रशिक्षण का अवलोकन किया।

इस आयोजन में दिव्यांग सेवा संस्थान, गंगाशहर को भी आमंत्रित किया गया। दिव्यांग बच्चों के द्वारा बनाए गए दीपक व पेंटिंग की स्टॉल दी गई और उनके बनाए परिधानों एवं बेबी किट की खरीदी कर मीरा शाखा ने उन्हें प्रोत्साहित किया। शाखा की ओर से बच्चों को तीन सिलाई मशीन व सिलाई के लिए कपड़ा भी भेंट किया। □□□

स्वच्छ और हरित जयपुर अभियान में युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

लघु उद्योग भारती, जयपुर इकाई की ओर से 'स्वच्छ और हरित जयपुर' अभियान की शुरुआत की गई जिसमें स्क्रीन प्रिंटिंग के माध्यम से जयपुर के विभिन्न विद्यालयों के 1000+ विद्यार्थियों ने स्वच्छ जयपुर की प्रतिज्ञा ली। इस अनूठे प्रशिक्षण कार्यक्रम में जयपुर शहर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा ने भी स्क्रीन प्रिंटिंग के जरिये स्वयं 'स्वच्छ और हरित जयपुर' प्रतिज्ञा का प्रमाण-पत्र प्रिंट किया। संगठन के इस प्रयास ने बच्चों को न केवल स्क्रीन प्रिंटिंग की कला से परिचित करवाया, बल्कि उन्हें जयपुर को स्वच्छ और हरित बनाने की पहल और जिम्मेदारियों के प्रति भी जागरूक किया। इसके साथ ही, वरिष्ठ विद्यार्थियों को इस विधा में अपना उद्यम शुरू करने के लिए प्रेरित भी किया। □□□

जयपुर महिला इकाई की बैठक में स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी की समीक्षा

एलयूबी राजस्थान की जयपुर महिला इकाई की मासिक बैठक 8 अक्टूबर को आयोजित की गई। बैठक में स्वयंसिद्धा हस्तशिल्प प्रदर्शनी-2024 की समीक्षा की गई। इसमें प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू सिंह, इकाई अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा नैथानी और एग्जीबिटर्स ने प्रदर्शनी के बारे में अपने अनुभव साझा किये। □□□

रानपुर इकाई ने IIIT कोटा में युवा उद्यमियों का किया सम्मान

लघु उद्योग भारती, राजस्थान की रानपुर इकाई ने 9 अक्टूबर को IIIT कोटा में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवा उद्यमियों और सफल व्यवसायियों को सम्मानित किया। वक्ताओं ने युवाओं में नवाचार और उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने पर बल दिया और उनके योगदान को सराहा। इस आयोजन का उद्देश्य उभरते उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के साथ छोटे उद्योगों के विकास और रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देना भी था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री बजरंग साबू ने की। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री गोविंदराम मित्तल और सहायक डीन, छात्र कल्याण, IIIT कोटा श्री आनंद अग्रवाल सहित उद्योग जगत के दिग्गजों, शिक्षाविदों और स्थानीय अधिकारियों की उपस्थिति रही। □□□

पाली में स्वावलंबी भारत अभियान के तहत मिट्टी के बर्तन बनाने की मशीन का शुभारंभ

एलयूबी राजस्थान की पाली महिला इकाई की ओर से लघु एवं कुटीर उद्योगों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री दुर्गादास जी ने किया। कुल 61 महिला उद्यमियों ने स्टॉल पर अपने उत्पाद प्रदर्शित किये। इसी तरह स्वावलंबी भारत अभियान के तहत चूड़ी एवं सिलाई मशीन के पश्चात मिट्टी के बर्तन बनाने की मशीन का भी उन्होंने शुभारंभ किया।

इस अवसर पर श्री दुर्गादास जी ने कहा कि सिलाई और चूड़ी बनाने के प्रशिक्षण के बाद मेहंदी व ब्यूटी पार्लर के प्रशिक्षण से हजारों महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं। इसी तरह मिट्टी का कार्य करने वाले सैकड़ों बंधु मशीन के माध्यम से मिटटी के बर्तन बनाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने पाली को पूरे भारत का रोल मॉडल बताया।

पूर्व विधायक श्री ज्ञानचंद पारख ने बताया कि लघु उद्योग भारती, सेवा समिति, रोटरी क्लब एवं विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से लगातार रोजगार सृजन का कार्य किया जा रहा है। □□□

राजसमंद में मनाया महिला इकाई स्थापना दिवस

एलयूबी राजस्थान की राजसमंद महिला इकाई के प्रथम स्थापना दिवस पर चेंबर भवन में कार्यक्रम आयोजित किया। महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती शिवानी यादव ने संगठन का परिचय दिया। महासचिव श्रीमती अलका सिंह ने इकाई द्वारा किए गए सामाजिक कार्य एवं गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने जानकारी दी कि इकाई की स्किल डेवलपमेंट सेंटर चैंबर भवन परिसर में जल्द ही शुरू करने की योजना है। कार्यक्रम में स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी के आयोजन के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर यूनिट हेड दैनिक भास्कर श्री पंकज अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज श्री राजेश गुप्ता, प्रांत संयुक्त महासचिव श्री संदीप गुप्ता एवं इकाई अध्यक्ष श्री देवेंद्र अग्रवाल उपस्थित रहे।

मंच संचालन श्रीमती रूपाली गुप्ता ने किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सोनिया गुप्ता ने स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी। उपाध्यक्ष श्रीमती पारुल अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया।

□□□

किशनगढ़ इकाई ने सरकारी योजनाओं पर की चर्चा

एलयूबी राजस्थान की किशनगढ़ इकाई की कार्यकारिणी बैठक 10 अक्टूबर को प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मुकेश अग्रवाल की उपस्थिति में आयोजित की गई। इकाई सचिव श्री अनिल मूंदड़ा ने गत बैठक का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इकाई अध्यक्ष श्री उमेश गोयल ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा निवेश प्रोत्साहन हेतु आगामी 11 दिसंबर को आयोजित किये जा रहे एमएसएमई कॉन्क्लेव के लिए लघु उद्योग भारती को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया।

प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ ने एमएसएमई कॉन्क्लेव के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए इकाई सदस्यों से अधिक से अधिक निवेश के एमओयू करने का आग्रह किया। श्री बालड़ ने राजस्थान सरकार की रिप्स-2024, एमएसएमई पॉलिसी और टेक्सटाइल पॉलिसी के बारे में विस्तृत जानकारी देने के साथ सदस्यों से पॉलिसी के ड्राफ्ट का अध्ययन कर अपने सुझाव देने का आग्रह किया। खुले सत्र में इकाई सदस्यों ने औद्योगिक समस्याओं पर चर्चा की। □□□

भीलवाड़ा में अहिल्याबाई होलकर के प्रेरक जीवन पर बौद्धिक आयोजित

एलयूबी राजस्थान की भीलवाड़ा महिला इकाई ने 1 अक्टूबर को मासिक बैठक में देवी अहिल्याबाई होलकर के त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बौद्धिक रखा गया जो राष्ट्र सेविका समिति की भीलवाड़ा विभाग बौद्धिक प्रमुख श्रीमती नीलू मालू ने दिया। अहिल्याबाई जी एक कुशल प्रशासनिक और राजनीतिज्ञ होने के साथ शिव भक्त भी थी। राष्ट्र की अस्मिता और सांस्कृतिक गौरव से जुड़े अनेक प्रेरक प्रसंगों को बौद्धिक के माध्यम से बताया गया। इसके पश्चात अक्टूबर माह के सेवा कार्यों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में 23 सदस्य उपस्थित थी। □□□

बीकानेर इकाई ने सिलाई का प्रशिक्षण शिविर किया आयोजित

एलयूबी राजस्थान की बीकानेर इकाई और जन शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ अरिहंत भवन, गंगाशहर में किया गया जिसमें 20 महिलाएं प्रशिक्षित ले रही हैं। 105 दिन तक चलने वाले इस शिविर में श्रीमती संजना सुराणा प्रशिक्षण देंगी। कोर्स पूरा होने पर उनकी परीक्षा होगी और उसे पास करने के बाद उन्हें भारत सरकार द्वारा अधिकृत संस्थान जन प्रशिक्षण संस्थान द्वारा डिप्लोमा का सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा जो उन्हें रोजगार उपलब्ध करवाने में सहायक रहेगा। संस्थान से श्री अविनाश भार्गव, प्रबन्धक श्री ओम सुथार और लघु उद्योग भारती से श्री सुभाष मित्तल, श्री हर्ष कंसल, श्रीमती राखी चौरड़िया उपस्थित रही। □□□

उदयपुर में टैली के नवीनतम सॉफ्टवेयर पर किया सेमिनार

एलयूबी राजस्थान की उदयपुर इकाई और उदयपुर मार्बल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में सुखेर में टैली सॉल्यूशंस के नवीनतम सॉफ्टवेयर पर 2 अक्टूबर को सेमिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को गेटवे इंफोटेक, टैली के सर्टिफाइड पार्टनर ने प्रायोजित किया। सेमिनार में टैली के नवीन सॉफ़्टवेयर से व्यापारिक प्रबंधन में होने वाले सुधार और लाभों को उद्यमियों के लिए व्यापारिक नवाचार और तकनीकी प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में इकाई अध्यक्ष श्री मनोज जोशी और मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री पंकज गांगावत के साथ उद्यमीगण उपस्थित थे।

□□□

महाराष्ट्र शिष्टमंडल ने की राज्यपाल से औद्योगिक विकास पर चर्चा

एलयूबी महाराष्ट्र के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल श्री सी. पी. राधाकृष्णन से भेंट कर प्रान्त के औद्योगिक विकास और विविध समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। लघु उद्योग भारती ने राज्यपाल का ध्यान केंद्र और राज्य सरकार द्वारा बार-बार नीतियों में बदलाव करने से कृषि क्षेत्र (अति आवश्यक वस्तु) से जुड़े उद्योगों पर होने वाले असर की तरफ आकर्षित किया। शिष्टमंडल ने राज्यपाल से कृषि क्षेत्र (अति आवश्यक वस्तु) से संबंधित नीति निर्धारण में उद्योगों का ध्यान रखने और नीति निर्धारण पूर्ण एक फसल वर्ष के लिए करने और मैत्री अधिनियम (राइट टू सर्विस) के तहत की जा रही शिकायतों पर त्वरित निर्णय लेने का अनुरोध किया। संगठन की ओर से श्री आशीष चंदराणा और श्री अमित सराफ ने चर्चा की। ☐☐☐

पूज्य सरसंघचालक के बारां प्रवास पर विशेष चर्चा सत्र आयोजित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूज्य सरसंघचालक मा. डॉ. मोहनराव भागवत जी के बारां प्रवास पर 6 अक्टूबर को संघ एवं लघु उद्योग भारती के वरिष्ठ पदाधिकारी विशेष चर्चा के लिए कार्यालय एकत्र हुए द्य इस अवसर पर एलयूबी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ताराचंद गोयल, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मुकेश गोयल, श्री योगेन्द्र शर्मा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक डॉ. राजेंद्र खत्री, अजमेर नगर संघचालक श्री बसन्त विजयवर्गीय, चितौड़ प्रांत अधिवक्ता परिषद श्री सुनील जैन और सामाजिक सुरक्षा अजमेर महानगर का स्वागत एलयूबी चित्तौड़ प्रांत अध्यक्ष श्री पवन गोयल, इकाई अध्यक्ष श्री वेद प्रकाश टक्कर एवं श्री राजेन्द्र गुप्ता ने स्वागत किया द्य ☐☐☐

लखनऊ में फेसिलिटेशन काउंसिल की मीटिंग में लंबित प्रकरणों का किया निस्तारण

उत्तर प्रदेश की एमएसएमई फेसिलिटेशन काउंसिल की लखनऊ मंडल की मीटिंग अपर आयुक्त प्रशासन श्री राधेश्याम की अध्यक्षता में की गई जिसमें सदस्य सचिव एवं संयुक्त आयुक्त उद्योग श्रीमती कंचन सुबोध, सदस्य आईआईए श्री संजय कौल और लघु उद्योग भारती अवध प्रांत की अध्यक्ष श्रीमती रीता मित्तल ने भाग लिया।

बैठक में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लंबित भुगतान के निस्तारण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। 5 संदर्भ आर्बिट्रेशन और 24 कैंसिलेशन के माध्यम से निपटाए गए। 2 संदर्भों में 6,13047/- का भुगतान समझौते से कराया गया, 9 नवीन संदर्भ पंजीकृत किए गए। ☐☐☐

मेरठ ने दीपावली मिलन समारोह किया आयोजित

एलयूबी उत्तर प्रदेश के मेरठ महानगर द्वारा दीपावली के अवसर पर पारिवारिक मिलन समारोह प्रदेश अध्यक्ष श्री मधुसूदन दादू और उपायुक्त उद्योग श्री दीपेंद्र कुमार की उपस्थिति में 25 अक्टूबर को आयोजित किया गया। श्री रूपक जैन ने संगठन मंत्र का पाठ किया। एलयूबी मेरठ संभाग अध्यक्ष श्री राजकुमार शर्मा ने संगठन का परिचय दिया और कार्यक्रम का संचालन महानगर इकाई अध्यक्ष श्री पंकज कुमार जैन ने किया। ☐☐☐

पूर्वोत्तर में टाटा समूह और लघु उद्योग भारती साथ करेंगे प्रोजेक्ट

असम और पूर्वोत्तर को गौरवान्वित करने वाले टाटा समूह के मोरीगांव प्रोजेक्ट के प्रमुख से एलयूबी उत्तर-पूर्व शिष्टमंडल की चर्चा हुई। चर्चा में उन्हें लघु उद्योग भारती संगठन और उद्यमी सदस्यों की जानकारी से अवगत करवाया। शिष्टमंडल ने टाटा समूह, सरकार और संगठन के संयुक्त तत्वावधान में वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित करने का सुझाव दिया जिससे प्रोजेक्ट की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थानीय उद्यमियों को लाभ मिल सके। टाटा समूह को सुझाव अच्छा लगा और उन्होंने लघु उद्योग भारती उद्यमियों के साथ जुड़ने की सहमति प्रदान कर दी है। ☐☐☐

दुर्ग में महिला स्वावलंबन के लिए रोजगार प्रशिक्षण आयोजित

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत इन्डियन इस्पात ग्रुप, रायपुर की ओर से स्व. नौबतराम गोयल की स्मृति में दुर्ग जिले के उरला में महिलाओं को नहाने के साबुन, फिनायल, डिश वॉश, शैम्पू, फ्लोर क्लीनर, हैंड वॉश, टॉयलेट क्लीनर, कपड़ा धोने का साबुन बनाने का 4 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। छत्तीसगढ़

चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के दुर्ग चेयरमैन श्री पवन बड़जात्या, प्रसिद्ध युवा उद्यमी श्री शरद बाफना एवं महिला एंटरप्रिन्योर सुश्री हेमा देवांगन ने शिविर का अवलोकन किया। श्री बड़जात्या ने कहा कि गुणवत्ता वाले उत्पादों को उचित मूल्य पर बाजार तक पहुँचाने में वे सेतु का काम करेंगे। □□□

देवास की मासिक बैठक में हुई उद्योग-हित की चर्चा

एलयूबी मध्यप्रदेश की देवास इकाई की बैठक 22 अक्टूबर को आयोजित की गई जिसमें उद्योग-हित को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। बैंक लोन, एमएसएमई, डीआईसी और इंजीनियरिंग क्लस्टर की समस्याओं के निराकरण हेतु सभी ने अपने सुझाव दिए। बैठक में कुल 14 सदस्य उपस्थित थे। □□□

उदयपुर में स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी की हुई समीक्षा

एलयूबी राजस्थान की उदयपुर महिला इकाई ने स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी की समीक्षा 24 अक्टूबर को आयोजित मासिक बैठक में की. इकाई अध्यक्ष श्रीमती सीमा पारीक ने स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। विशेष सहयोग के लिये श्रीमती कीर्ति लता जैन और श्रीमती शुभ्रा जोशी को प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रीना राठौर एवं संरक्षक श्रीमती रजनी डांगी ने सम्मानित किया। □□□

गुवाहाटी में दिवाली दीया वितरण का किया आयोजन

लघु उद्योग भारती उत्तर-पूर्व प्रान्त की ओर से प्रत्येक वर्ष की तरह इस दिवाली के अवसर पर भी स्थानीय कुटीर उद्योगों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए दीया वितरण का आयोजन किया। गुवाहाटी में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से इस अंचल के हजारों उद्यमियों ने इन्हीं दीपकों के साथ त्यौहार मनाया। □□□

खोड़ा गणेश इकाई ने अधिकारियों को जगाया ढोल-नगाड़ों से

एलयूबी राजस्थान की खोड़ा गणेश इकाई (अजमेर) ने 22 अक्टूबर को एईएन कार्यालय रूरल कृष्णापुरी विभाग के सोए हुए अधिकारियों को ढोल ढमाकों से जगाया। गौरतलब है कि पिछले 6 माह से बिजली विभाग द्वारा इस क्षेत्र में स्थित 700 टेक्सटाइल और अन्य औद्योगिक इकाइयों में अघोषित पावर कटौती की जा रही थी। आखिरकार लघु उद्योग भारती इकाई ने व्यापारियों के साथ एवीवीएनएल रूरल विभाग के एक्सईएन और एईएन से विद्युत सप्लाई को दुरुस्त करने के लिए पत्र लिखवाया। □□□

छत्तीसगढ़ में क्षेत्रीय उद्यमी सम्मेलन किया आयोजित

लघु उद्योग भारती छत्तीसगढ़ ने क्षेत्रीय उद्यमी सम्मलेन का आयोजन 18 अक्टूबर को किया जिसमें मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव सहाय एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, एलयूबी अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष श्री ताराचंद गोयल, अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष श्री समीर मूंदड़ा, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री पुरुषोत्तम पटेल, प्रदेश अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश सिंघानिया, प्रदेश महामंत्री श्रीमती सीपी दुबे, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री दीपक उपाध्याय, प्रदेश संयुक्त महामंत्री श्री कैलाश चंद्रवंशी एवं मध्यप्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश मिश्रा रहे।

कार्यक्रम में सुदूर क्षेत्रों जगदलपुर (जिला-बस्तर), अंबिकापुर (जिला-सुरगुजा), कवर्धा (जिला-कबीरधाम) के सदस्यों ने भी सहभागिता की। क्षेत्रीय वार्षिक बैठक में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से लगभग 200 सदस्य तथा उद्यमी सम्मलेन में लगभग 600 उद्यमी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में उद्योग दर्पण स्मारिका का विमोचन किया गया तथा नवगठित इकाइयों अंबिकापुर तथा महासमुंद के अध्यक्ष एवं सचिव को प्रमाण-पत्र प्रदान किये। संगठन की ओर से मुख्यमंत्री के समक्ष 10 मांगे रखी गई, जिनमें से छत्तीसगढ़ में पृथक एमएसएमई मंत्रालय का गठन और लघु उद्योग भारती भवन के लिए भूमि आवंटित करना दो मांगे मान ली गई हैं। □□□

गाजियाबाद क्षेत्र की औद्योगिक समस्याओं पर एमएसएमई के प्रमुख सचिव ने की चर्चा

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद क्षेत्र में लघु उद्योग भारती की पहल पर उद्योगों के समक्ष आ रही समस्याओं के विषय में अन्य औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से चर्चा करने के लिए प्रमुख सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन श्री आलोक कुमार ने 21 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट परिसर में विशेष बैठक की। इस अवसर पर एलयूबी जिलाध्यक्ष गाजियाबाद श्री अमरीश गोयल ने मुरादनगर और मोदीनगर के बुनकरों की विद्युत संबंधी समस्याओं को उठाया और इस आशय का एक पत्र भी प्रमुख सचिव को सौंपा, जिसे शीघ्र हल करने का आश्वासन दिया गया। □□□

भिवाड़ी में स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी का किया आयोजन

एलयूबी राजस्थान की भिवाड़ी महिला इकाई ने दो दिवसीय स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी में भिवाड़ी तथा प्रांत से कुल 60 स्टॉल पर महिला उद्यमियों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किये। भिवाड़ी के अन्य गैर सरकारी संगठनों ने भी इस प्रदर्शनी में हिस्सा लिया। प्रदर्शनी में मेहंदी, रंगोली, थाली सज्जा, वृद्ध महिलाओं द्वारा रैम्प वॉक जैसी प्रतियोगिताएं भी रखी गईं। भिवाड़ी के विभिन्न विद्यालयों तथा ह्लह्र द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। समारोह में श्रीमती प्रज्ञा यादव, प्रांत अध्यक्ष श्री सुधीर गर्ग, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेश गुप्ता, जयपुर प्रांत महामंत्री सुश्री सुनीता शर्मा, अलवर इकाई के अध्यक्ष एवं सचिव सहित बड़ी संख्या में उद्यमियों और स्थानीय लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। □□□

हरिद्वार इकाई ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

लघु उद्योग भारती उत्तराखंड की हरिद्वार इकाई एवं सहयोग केंद्र रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन 18 अक्टूबर को किया गया। इस शिविर में हिमालयन हॉस्पिटल, जौलीग्रांट की ब्लड बैंक टीम ने कुल 84 यूनिट रक्त संग्रह किया। इकाई अध्यक्ष श्री मनोज पुंडीर, हरिद्वार ग्रामीण इकाई अध्यक्ष श्री कुलदीप सिंह, श्री एम एस चौहान, श्री अमित चौहान, श्री गजेंद्र, श्री नितिन, श्री एन पी शुक्ल, श्री आर आर छींपा, श्री अभिमन्यु, श्री महिपाल, श्री वरुण आदि उद्यमियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता से इसे सफल बनाया। सभी रक्त दाताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। रक्त संग्रह टीम ने बताया कि हर स्वस्थ व्यक्ति 90 से 120 दिन के अंतराल पर रक्तदान कर सकता है। □□□

अलवर में स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

एलयूबी राजस्थान की अलवर महिला इकाई की ओर से आयोजित स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी का उद्घाटन राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी ने 17 अक्टूबर को किया। तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की हस्तशिल्प, गृह सजा, सिल्वर एंड गोल्ड ज्वेलरी आदि की स्टॉल लगाई फ्री मेहंदी और लकी ड्रा निकाले. मेदांता हॉस्पिटल गुरुग्राम द्वारा कंप्लीट हेल्थ चेकअप फ्री में किया। प्रदर्शनी में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा रामलीला के मंचन की प्रतियोगिता हुई।

समारोह में अध्यक्ष जयपुर प्रांत श्री सुधीर गर्ग, उपाध्यक्ष श्री राजेश गुप्ता, महामंत्री सुश्री सुनीता शर्मा, श्री संदीप गुप्ता, श्री देवेंद्र अग्रवाल, महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती शिवानी यादव, महासचिव श्रीमती अलका सिंह तथा कोषाध्यक्ष श्रीमती रूपाली गुप्ता उपस्थित रही। □□□

जयपुर अंचल में दो नई इकाइयों का हुआ गठन

एलयूबी राजस्थान के जयपुर अंचल में भिवाड़ी फेस-2 एवं खुशखेडा दो नई इकाइयों के गठन का कार्यक्रम 17 अक्टूबर को किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी ने देश हित में कार्य करने की आवश्यकता बताई। तिजारा के विधायक महंत बालकनाथ ने सरकार के कार्यों और उद्यमियों के योगदान की जानकारी दी।

भिवाड़ी फेस 2 के अध्यक्ष का दायित्व श्री मनोज कुमार, सचिव श्री अजीत यादव, कोषाध्यक्ष श्री आशुतोष मित्तल एवं खुशखेड़ा इकाई में अध्यक्ष श्री अनन्य जैन, सचिव श्री संदीप

अग्निहोत्री एवं कोषाध्यक्ष का दायित्व श्री विशाल अग्रवाल को दिया गया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेश गुप्ता, जयपुर अंचल अध्यक्ष श्री सुधीर गर्ग और महामंत्री सुश्री सुनीता शर्मा उपस्थित रहे। □□□

नीमकाथाना में एमएसएमई कॉन्क्लेव के लिए की चर्चा

एलयूबी राजस्थान की नीमकाथाना इकाई ने जिला उद्योग केंद्र व रीको के अधिकारियों के साथ राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत 6 नवंबर को नीमकाथाना में होने जा रही प्री-समिट व जयपुर में 11 दिसंबर को एमएसएमई कॉन्क्लेव के लिए जागरूकता अभियान चलाने जैसे विषयों पर चर्चा की।

अंबाला शिष्टमंडल ने एसडीएम से की भेंट

एलयूबी हरियाणा की अंबाला इकाई के शिष्टमंडल ने एसडीएम सिवाच से भेंट कर अंबाला छावनी में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न कराने पर उन्हें पुष्प गुच्छ प्रदान किया। इस अवसर पर लेबर एवं स्थानीय निकाय के अनेक विषयों पर चर्चा हुई। □□□

एटा इकाई ने बैंकिंग योजनाओं पर किया चर्चा सत्र

एलयूबी उत्तर प्रदेश की एटा इकाई ने भारत सरकार की बैंकिंग योजनाओं से सदस्यों को अवगत कराने के लिए विशेष चर्चा सत्र का आयोजन 14 अक्टूबर को किया। केनरा बैंक के आंचलिक कार्यालय सभागार में आयोजित इस सत्र को बैंक प्रबंधक श्री प्रीतम सिंह ने सम्बोधित किया। अध्यक्ष श्री धर्मवीर सिंह गहलोत एवं श्री आदित्य मित्तल के सुझावों के अनुसार बैंक अधिकारियों ने अधीनस्थों को निर्देशित किया। श्री पी.वी. कृष्ण प्रसाद, सहायक महाप्रबंधक केनरा बैंक ने आभार व्यक्त किया। इस सत्र के आयोजन में एटा मीडिया प्रभारी श्री रजत गुप्ता सहयोगी रहे। □□□

मुरैना में महिला आत्मनिर्भरता के लिए उत्पाद प्रदर्शनी की शुरू

एलयूबी उत्तर प्रदेश की मुरैना महिला इकाई ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके उत्पादों की प्रदर्शनी की शुरुआत की। इकाई अध्यक्ष श्रीमती मीना गुप्ता ने बताया कि त्योहारों के समय इन प्रदर्शनियों के माध्यम से सूक्ष्म और कुटीर उद्योगों में संलग्न कमजोर आय समूह की महिलाओं के बनाये उत्पादों को बाजार उपलब्ध करवाने के लिए इस पहल को अच्छा समर्थन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि जौरा टाउन में आत्मनिर्भर महिलाओं द्वारा दो दिवसीय स्वयंसिद्धा दीपोत्सव एवं करवा चौथ प्रदर्शनी आयोजित की गई जिसमें श्री कैलाश मित्तल वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं धर्मशाला इकाई अध्यक्ष डॉ. अशोक सिंघल उपस्थित रहे। □□□

भीलवाड़ा में आथिर्क साक्षरता एवं निवेश सेमिनार आयोजित

लघु उद्योग भारती राजस्थान की भीलवाड़ा महिला इकाई ने 9 से 15 अक्टूबर तक मनाये जाने वाले विश्व निवेशक सप्ताह के अंतर्गत कंचन देवी कन्या महाविद्यालय में सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार में प्रतिभूति बाजार की बुनियादी जानकारी, सूचित निवेश के महत्व और निवेश रणनीतियों से अवगत कराया गया। इकाई अध्यक्ष पल्लवी लढा ने बताया कि वित्तीय साक्षरता से महिलाओं को स्वतंत्र आर्थिक निर्णय लेने में मदद मिलेगी। इससे महिलाएं सुरक्षित और लाभकारी निवेश के लिए सही जानकारी प्राप्त करेंगी, जो उनके दीर्घकालिक लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि जोखिम प्रबंधन में उनकी समझ बढ़ने से उनका आर्थिक सशक्तिकरण होगा। □□□

बहरोड़ में की एमएसएमई कॉन्क्लेव की कार्य-प्रगति की समीक्षा

एलयूबी राजस्थान की बहरोड़ इकाई की विशेष बैठक में राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट के बारे में चर्चा की गई. बैठक में बताया गया कि इकाई शिष्टमण्डल ने भिवाड़ी जिला उद्योग अधिकारी श्री सरजीत खोरिया से भेंट कर निवेश सम्मेलन के बारे में विमर्श किया। शिष्टमंडल में अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार यादव, महासचिव श्री वीरेंद्र प्रजापति व श्री राजेश मेहता शामिल थे। प्रदेश संयुक्त महासचिव श्री महेंद्र मिश्रा एवं तीनों अंचलों के अध्यक्ष ने एमएसएमई कॉन्क्लेव के सम्बन्ध में अभी तक की प्रगति-रिपोर्ट सदस्यों से साझा की। संचालन जयपुर अंचल सचिव सुश्री सुनीता शर्मा ने किया। □□□

जोधपुर में कौशल विकास केन्द्र का लोकार्पण 13 दिसम्बर को

लघु उद्योग भारती राजस्थान के जोधपुर में नवनिर्मित कौशल विकास केन्द्र का उद्घाटन अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र जी, राजस्थान सरकार में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर, संसदीय कार्य, विधि व विधिक कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल एवं उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री श्री के. के. विश्नोई के सानिध्य में 13 दिसम्बर को होगा।

इस कौशल विकास केन्द्र में स्थानीय उद्योगों के लिए युवाओं को प्रशिक्षण देकर कौशल युक्त कार्मिक बनाकर उन्हें रोजगार प्रदान किया जाएगा। □□□

European Start-up Delegation Meets LUB to explore Opportunities in EV

A delegation of European Start-ups Ecomet Refining, Italy and ?Eneris Poland met with LUB's officials at New Delhi. As a part of the India Mission of EU start-ups of the 'EU-India EV Battery Recycling Technologies project' of the European Commission in India and the Office of PSA, Government of India (under the EU-India Trade and Technology Council) the delegation discussed their interests with Data Group Team and LUB Haryana and proposed to explore opportunities in EV Lithium Battery Recycling Technologies. □□□

Women's Wing starts PR Campaign for Swayamsiddha

LUB's delegation of Women Wing Punjab led by State In-charge Smt. Archana Jain and Smt. Seema Dhumal met State President, BJP Women Cell Smt. Jayinder Kaur at Patiala and briefed her about the activities of Women Wing and latest endeavour Swayamsiddha Exhibition to support women entrepreneurs at Jalandhar from 28th Nov. to 1st Dec. Smt. Kaur appreciated the motive of the exhibition and assured of all assistance. □□□

Jalandhar Unit Celebrated Diwali

LUB's Jalandhar Unit of Punjab State conducted its monthly meeting with Diwali celebration. All India Vice President Adv.Arvind Dhumal and Unit President Shri Vivek Rathour addressed the gathering. □□□

Belagavi Women Wing Celebrated its Spirit of Women Empowerment

LUB's Belagavi Women Wing of Karnataka State celebrated its first anniversary on 29th October for its commitment to empowering women entrepreneurs in the region. The Women's Wing, which supports and encourages women entrepreneurs in and around Belgaum, was established through the efforts of State Secretary Smt. Priya Puranik. Dignitaries present at the event included Smt. Soumya Bapat, Joint Director of Tourism Department, Shri Bhimashankar Guled, Superintendent of Police and State President Shri Sachin Sabnis.

Mrs. Bapat appreciated the efforts of the Women's Wing and offered her continued support for its initiatives. Mrs. Nalini Vemolkar, President of Women's Wing, gave the introductory speech. Mrs. Priya Puranik shares her inspiring journey with LUB, and highlights the achievements and challenges along the way. The program was conducted by Mrs. Bharti Vadavi. □□□

Vadodara Unit met Traffic Commissioner to Resolve the Issues

LUB's Vadodara Unit of Gujarat State had a productive meeting with Traffic Commissioner Smt. Jyotiben Patel to discuss the regular traffic

issues at Waghodia Chowkdi. She expressed her commitment to personally address the matter and find a prompt solution. Furthermore, she confirmed her willingness to engage with all industries in the area to conduct a comprehensive traffic awareness program. □□□

Tamil Nadu Conducts Special Series of Training Sessions

LUB's Tamil Nadu State Unit conducted a special series of training sessions to address queries related to the GeM portal and support members elevate their businesses. The sessions covered entire mechanism of portal including seller registration and profile for the same. TN Team invited and encouraged entrepreneurs for this important initiative in the outreach program. □□□

LUB's New Building was Inaugurated by Hon'ble Jan Sampark Adhikari & RSS Sah Sarkaryawah Shri (Dr.) Krishna Gopal Ji at Balotara on October, 2024. State President Shri Shanti Lal Balad and other officials were present.

LUB's Central Regional Level Meeting was conducted in the presence of National Org. Secretary Shri Prakash Chandra ji, National Vice President Shri Tarachand Goyal, National Treasurer Shri Sameer Moondra, Madhya Pradesh President Shri Rajesh Mishra, Chhattisgarh President Shri O.P. Singhania & General Secretary Smt. CP Dubay at Bhilai on 18th Oct. 2024.

LUB's Delhi State Executive Meeting held at National HQ in the presence of National General Secretary Shri O.P. Gupta in October, 2024.

Delegation of the Pharma Cell led by Shri Rajesh Gupta met Madhya Pradesh Chief Minister Shri Mohan Yadav on 17th October, 2024.

लघु उद्योग भारती

सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केंद्र

लोकार्पण

के शुभ अवसर पर

आपकी गरिमामय उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है ।

मुख्य अतिथि

माननीय जगदीप जी धनखड़ (उपराष्ट्रपति, भारत)

मुख्य वक्ता

माननीय डॉक्टर कृष्ण गोपाल जी

(सह सरकार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ)

अध्यक्षता

माननीय भजन लाल जी शर्मा (मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार)

विशिष्ट अतिथि

माननीय कर्नल राज्यवर्धन सिंह जी राठौड़

(उद्योग एवं कौशल विकास मंत्री, राजस्थान सरकार)

दिनांक: बुधवार, 11 दिसंबर 2024, मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी, संवत २०८१

समय: दोपहर 3:00 बजे

स्थान : स्पेशल - 2, अपैरल पार्क, रीको औद्योगिक क्षेत्र,

महल रोड, जगतपुरा, जयपुर - 302022

घनश्याम ओझा
अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती

ओमप्रकाश गुप्ता
महामंत्री, लघु उद्योग भारती

शांतिलाल बालड़
अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती
(राजस्थान)

UDYOG TIMES | OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI | 30 October, 2024 | Registration No. RAGBIL/2016/69093 Postal Reg. No. : Jaipur City/433/2020-22

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़
मा. उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री

श्री के. के. विश्नोई
मा. उद्योग राज्य मंत्री

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से प्रदेश के विकास में समर्पित
लघु उद्योगों के विकास की प्रदर्शनी

आत्मनिर्भर भारत के बढ़ते कदम...

पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2025

PASHCHIMI RAJASTHAN UDYOG HASTSHILP UTSAV JODHPUR UTSAV 2025

9 से 19 जनवरी, 2025 तक

स्थान - रावण का चबूतरा मैदान, जोधपुर

संपर्क - जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र, जोधपुर, दूरभाष - 0291-2431937

आयोजक - जिला प्रशासन, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र एवं उद्यम प्रोत्साहन संस्थान, जोधपुर

नोडल एजेंसी

लघु उद्योग भारती, जोधपुर प्रांत

लघु उद्योग भारती

रीको गेस्ट हाउस के पास, रेलवे डीजल शेड के सामने, जोधपुर
दूरभाष - 0291-2944981 / 2745360

(संपूर्ण भारत की कला, संस्कृति, हस्तशिप एवं लघु उद्योग उत्पादनों की अनूठी प्रदर्शनी, विभिन्न प्रतियोगिताएं, मनोरंजन, सांस्कृतिक संध्या तथा फूड स्टॉल)

लघु प्रयास से हम मिलकर, चलो करें कोई नव उद्यम। भारत को आत्मनिर्भर करने, संकल्पित हो सभी करें श्रम।

LUB's Monthly Magazine Published by OP Mittal Printed at Raj Blocks, 22 Godown Ind. Area Kartapura, JAIPUR-302019